सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 27 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 10 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

राजधानी में राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग का रोमांच, सीएम साय ने बढ़ाया युवाओं का हौसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम में आज रोमांच, ऊर्जा और साहस से भरपूर राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप-2025 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन खेल युवा शक्ति, अनुशासन, साहस और जिम्मेदारी का उत्सव है। देशभर से आए 100 से अधिक प्रोफेशनल राइडर्स और हजारों दर्शकों की उपस्थिति ने इसे राष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बना दिया है।

रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में युवाओं का शानदार प्रदर्शन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जैसे रजत जयंती महोत्सव के दौरान एयरोबेटिक शो ने आसमान में देशभक्ति का जोश जगाया, वैसे ही यह सुपरक्रॉस चैंपियनशिप ज़मीन पर युवाओं के जुनून को नई उड़ान दे रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सिर्फएक रेस नहीं, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और सुरक्षा का पाठ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए हमेशा हेलमेट पहनें, ट्रैफ्फिक नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक बनें।

स्पोर्ट्स टूरिज्म और मोटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दे रही सरकार

सीएम साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना, स्पोर्ट्स टूरिज़्म और मोटर स्पोर्ट्स जैसे नए क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला रही है और युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोल रही है।

सीएम ने प्रतिभागियों से कहा- सुरक्षित रेस करें

सीएम साय ने प्रतिभागियों से कहा कि वे सुरक्षित रेस करें, अपने कौशल का प्रदर्शन करें और दर्शक जिम्मेदारी के साथ इस खेल का आनंद लें। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल दीपक आदि उपस्थित रहे।

खास-खबर

धान बेचने किसानों को आज से मिलेगा टोकन : 15 नवंबर से धान खरीदी

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। धान खरीदी सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन पूरा हो गया है। अब किसान 9 नवंबर यानि आज से ऑनलाइन टोकन ले सकेंगे।

किसानों को धान बेचने में परेशानी ना हो, इसलिए खाद्य विभाग ने 'तुंहर टोकन' ऐप बनाया है। इस ऐप में प्रदेश के 26 लाख 49 हजार से अधिक किसान पंजीकृत हैं, जो पिछले सीजन की तुलना में लगभग एक लाख अधिक हैं। सरकार ने 15 नवंबर से धान खरीदी की औपचारिक शुरुआत करने की तैयारी की है। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, धान खरीदी के लिए राज्य सरकार ने नए निर्देश जारी किए हैं। सीमांत (2.5 एकड़ तक) और लघु (2.5 से 5 एकड़ तक) किसानों को अधिकतम 2 टोकन, जबकि बड़े (5 एकड़ से अधिक) किसानों को 3 टोकन की अनुमति होगी। सभी टोकनों में धान की मात्रा किसान की कुल खरीदी योग्य सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। हर बोरे में 40 किलो (0.40 क्विंटल) धान भरने का प्रावधान रहेगा।

उत्तर छत्तीसगढ़ में शीतलहर : अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री

रायपुर। प्रदेश में अब ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटों के दौरान तापमान में 1-2 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। वहीं उत्तर छत्तीसगढ़ में शीतलहर की स्थिति बन रही है।

सुबह और रात के समय ठंड बढ़ने लगी है, जबकि दिन में मौसम सामान्य और शुष्क बना हुआ है। पेंड्रा और अमरकंटक क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस सीजन में पहली बार पेंड्रा का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

सर्द हवाओं और बढ़ते कोहरे के कारण इलाके में विजिबिलिटी काफी कम हो गई है। गांवों और कस्बों में लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.2डिग्री जगदलपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 08.2 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया।

रायपुर एयरपोर्ट में वीवीआईपी के लिए अलग हैंगर, सीएम ने किया शुभारंभ

स्टेट हैंगर शुरू होने के बाद वहीं से गुजरात रवाना हुए सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के समीप वीआईपी व वीवीआईपी के विशेष विमान की लैंडिंग व टेक ऑफके लिए स्टेट हैंगर का निर्माण किया गया। सोमवार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल परिसर माना कैम्प के समीप स्टेट हैंगर से नियमित विमान परिचालन का शुभारंभ किया। शुभारंभ के पश्चात मुख्यमंत्री साय अपने गुजरात प्रवास हेतु इसी हैंगर से रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि स्टेट हैंगर का निर्माण वर्ष 2012 में लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 6.50 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किया गया था। तथापि, इसके परिचालन के लिए आवश्यक डीजीसीए और बीसीएएस की विभिन्न अनुमतियाँ हाल ही में 31 अक्टूबर 2025 को प्राप्त हुई है। अनुमतियां मिलने के पश्चात अब हैंगर का नियमित परिचालन आरम्भ किया गया है।

विशेष विमान की लैंडिंग व टेकऑफ होगा आसान

स्टेट हैंगर के प्रारम्भ होने से राज्य में विशेष विमान द्वारा वीवीआईपी आगमन एवं प्रस्थान की व्यवस्थाएं अब और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित हो जाएगी। इस पहल से एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल पर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान आम यात्रियों को होने वाली असुविधा भी समाप्त होगी। इससे पहले जब भी वीआईपी या वीवीआईपी मुवमेंट होती थी तो आम यात्रियों को काफी परेशानी होती थी जो कि स्टेट हैंगर के निर्माण से पूरी तरह खत्म हो जाएगी।

स्टेट हैंगर को एयरपोर्ट के रनवे से जोड़ा गया

रायपुर में नवनिर्मित स्टेट हैंगर को टैक्सी वे 'ई' के माध्यम से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के रनवे से जोड़ा गया है, जिससे वीवीआईपी मूवमेंट अधिक सुगमता से हो सकेगा और एयरपोर्ट परिसर के भीतर अलग व्यवस्था करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। राज्य शासन के स्वामित्व वाले विमान एवं हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए भी यह नया स्टेट हैंगर उपयोग में लाया जाएगा। इससे अब एयरपोर्ट परिसर के भीतर स्थित किराए के स्टेट हैंगर पर निर्भरता समाप्त होगी। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, माना कैम्प नगर पंचायत अध्यक्ष संजय यादव, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, मुख्यमंत्री के उप सचिव सूरज साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

दुर्ग में युवक की हत्या, देर रात विवाद के बाद चाकू से गोदा, अस्पताल में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में बीती रात एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। रविवार देर रात लगभग 11 से 12 बजे की यह घटना बताई जा रही है। मृतक का नाम योगेश विश्वकर्मा है जिसे तीन युवकों ने चाकू से गोद दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन इससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मोहन नगर थाना क्षेत्र के शंकर नगर गली निवासी योगेश विश्वकर्मा की हत्या कर दी गई। रविवार रात को योगेश अपने घर ही था इस दौरान तुषार नेताम उर्फ चटनी , चंदन साहू , तिलक नाम के युवक पहुंचे और दरवाजे पर पत्थर मारकर योगेश को बाहर बुलाया। बाहर निकलने के बाद योगेश ने तीनों से विवाद न करने कहा लेकिन वे माने नहीं और धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी। तीनों ने चाकू से योगेश विश्वकर्मा पर वार कर दिया।

योगेश विश्वकर्मा की पत्नी पार्वती सोनकर बीच बचाव करती रही लेकिन इस बीच चाकू मारकर वे फरार हो गए। इसके बाद गंभीर हालत में योगेश विश्वकर्मा को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना के बाद मोहन नगर पुलिस घटना स्थल पहुंची। मृतक योगेश की पत्नी पार्वती की शिकायत पर तुषार नेताम उर्फ चटनी , चंदन साहू , तिलक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट लिखकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 103, 3(5) के तहत कार्रवाई की गई। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

मुंबई से जशपुर लौटकर पति को उतारा मौत के घाट

- पत्नी ने दिया खौफनाक हत्याकांड को अंजाम, सूटकेस में भरकर फरार हुई आरोपिया की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मुंबई से लौटी पत्नी ने अपने पति की हत्या की और सूटकेस में लाश को भरकर फरार हो गई। जाने से पहले उसने अपनी बेटी को फोनकर अपने पति की हत्या की जानकारी भी दी। बेटी जब अपने पिता के घर पहुंची और लाश देखने के बाद अपने बड़े पिता को जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपिया की तलाश में जुट गई है। मामला दुलदुला थाना क्षेत्र क है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को विनोद मिंज निवासी ग्राम भिंजपुर, ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह खेती किसानी का काम करता है। उसने बताया कि उसके छोटे भाई संतोष भगत की उसकी पत्नी ने हत्या कर दी। हत्या के बाद उसकी लाश का सूटकेस में भरकर छोड़कर फरार हो गई। सूचना के बाद दुलदुला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस ने बीएनएस की धारा 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपिया की तलाश शुरू कर दी है।

मुंबई में रहती थी पत्नी

पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपिया मुंबई में काम करती थी व बीच बीच में गांव आती रहती थी, अभी कुछ दिन पूर्व ही वह गांव लौटी थी। 7 नवंबर को पति -पत्नी में किसी बात को लेकर वाद विवाद हो रहा था, इसी दौरान आरोपिया के द्वारा अपनी मंझली बेटी जो कि कोरबा में रहती है को फोन भी किया था। बेटी ने उक्त बात को गौर नहीं किया गया। इसके दूसरे दिन आरोपिया ने अपनी मंझली बेटी को फोन कर बताया कि उसने उसके पिता की हत्या कर दी है। शव को कम्बल से ढंककर उसे सूटकेस में भर दिया है। इसके बाद वह जशपुर पहुंची और अपने बड़े पिताजी प्रार्थी विनोद मिंज को मामले के संबंध में बताई।

विवेचना के दौरान पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम भिंजपुर रवाना किया गया, जहां मृतक संतोष भगत के घर की तलाशी लेने परएक बड़ा गहरे लाल रंग का ट्रॉली सूटकेस बैग मिला। जिसे कि गवाहों के समक्ष खोलने पर उसमें मृतक संतोष भगत का शव मिला। शव का पंचनामा करते हुए, शव का डॉक्टर से पोस्ट मार्टम कराया गया है। एसएसपी जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है, आरोपिया की सरगर्मी से, तलाश की जा रही है, तलाश हेतु पुलिस टीम महाराष्ट्र रवाना की गई है।

अमित बघेल को गिरफ्तार करने परिचितों के घर पुलिस की रेड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपने परिचित के घरों में छिप रहे हैं। पुलिस का दावा है कि अमित बघेल की जल्द गिरफ्तारी करेगी।

इसी आधार पर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के शिवेंद्र वर्मा (निवासी सड्डू) और अजय यादव के धरमनगर टिकरापारा स्थित निवास पर पुलिस ने छापा मारा है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। जबकि कई टीमें राज्य के अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश में जुटी हुई हैं।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने को लेकर 27 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने अग्रसेन महाराज, सिंधी समाज के ईष्ट

देवता झूलेलाल जी पर अभद्र टिप्पणी की थी। अमित बघेल के बयान के बाद अग्रवाल समाज और सिंधी समाज द्वारा प्रदेशभर और देशभर में प्रदर्शन किया जा रहा है और अमित बघेल की गिरफ्तारी की मांग कर रही है। अमित बघेल के खिलाफ रायपुर के अलावा छत्तीसगढ़ और देश के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज है। इनमें रायपुर, दुर्ग, धमतरी, इंदौर, ग्वालियर, नोएडा, महाराष्ट्र और प्रयागराज शामिल है। अग्रवाल समाज और सिंधी समाज ने रायपुर के अलग-अलग थानों में एफआईआर दर्ज कराई है।

वीआईपी हर जगह वीआईपी होता है

श्रीकंचनपथ

कर्नाटक सुर्खियों में है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। जहां-जहां विपक्षी सरकारें हैं, उनका गलत कारणों से सुर्खियों में बने रहने की परिपाटी रही है। फिलहाल मामला है बेंगलुरू की पराप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल का। यहां दुर्दान्त अपराधियों को जेल में फोन चलाते, टीवी पर मनोरंजन करते, शराब और चखना के साथ मौज मस्ती करते देखा गया है। इसके वीडियो वायरल हुए हैं जिनकी जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक सरकारी स्रोतों ने वीडियो की पुष्टि नहीं की है पर जिस तरह की टिप्पणियां अब तक जिम्मेदारों की आई हैं, वो घटना की पुष्टि करते हैं। इस जेल का एक वीडियो पहले भी आया था जिसमें कैदी जेल के अंदर फोन चलाते दिख रहे थे। उसमें आईएसआईएस आतंकी जुहैब के अलावा सीरियल किलर और रेपिस्ट उमेश रेड्डी को देखा जा सकता था। कैदी जेल के अंदर टीवी देखते भी नजर आ रहे थे। दूसरा वीडियो गजब है। इसमें कैदी गाना गाते, नाचते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। 55 मिनट के वायरल वीडियो में शराब की 4 बोतलें खिड़की पर सजाई दिख रही हैं। कुछ कैदी जमीन पर बैठकर बर्तनों पर म्यूजिक दे रहे हैं और 5-6 कैदी चीखते-चिल्लाते हुए नाच रहे हैं। डिस्पोजेबल गिलास में शराब, प्लेट में कटे फल और तली मूंगफली भी दिख रही हैं। वीडियो में कई मोबाइल फोन और चार्जर भी नजर आ रहे हैं। इससे भी पहले हत्या के आरोपी कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा 3 लोगों के साथ चाय-सिगरेट पीते दिख थे। पराप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल इकलौता ऐसा जेल नहीं है जहां विशेष कैदियों की ऐश होती है। कई बार तो लंबी अवधि या आजीवन कैद की सजा काट रहे अपराधी जेल को ही अपना घर बना लेते हैं। न केवल उन्हें यहां सारी सुविधाएं हासिल होती हैं बल्कि उनकी जिनपर कृपा होती है, वो भी जेल में ऐश करते हैं। कुछ अपराधियों के लिए जेल एक रिसॉर्ट की तरह होता है जहां वे छुट्टियां बिताने आया करते हैं। जेल के भीतर से रैकेट चलाने, जुआ सट्टा खेलने और खिलाने, हत्या की सुपारी लेने की खबरें पहले भी पढ़ने-सुनने में आती रही हैं। जेल का बेचारा टाइप का स्टाफ इनके आगे लाचार सा दिखाई देता है। जेल के अंदरूनी अनुशासन में इनकी बड़ी भूमिका होती है। जेल के अंदर किसे निपटाना है और किसे ऐश करानी है, यह इनकी कृपा पर ही निर्भर करता है। जेल के भीतर मारे जाने के खतरे से बचने के लिए कई बार अपराधी जेल बदलने की मांग न्यायालय से करते हैं। यह भी सबको पता है। दरअसल, वीआईपी हर जगह वीआईपी होता है। वह अपने घर में भले ही जुतियाया जाता हो पर अपने दमखम के बल पर वह अपना स्पेस कहीं भी तैयार कर लेता है। नए अपराधी जेल जाकर सुरक्षा कारणों से आका ढूंढ लेते हैं और बाद में उनके नेटवर्क का हिस्सा बन जाते हैं। चीखना चिल्लाना बेमानी है।

संपादकीय

समय पर न्याय मिलना ही बदलाव की तार्किकता

दीवानी मामलों में भी मुकदमों की लंबी अवधि और अभियुक्त की अनिश्चित स्थिति आम बात थी, वहीं फौजदारी मामलों में न्याय प्राप्ति में 30-32 वर्ष तक का समय लग जाता था, जिससे आरोपित व्यक्ति अभियुक्त नहीं माना जाता था। गंभीर आरोप लगने पर भी जब केस की सुनवाई में आरोपित व्यक्ति जमानत पर रिहा हो जाता था, तो उसे लगता था कि वह लगभग फारिग हो गया। राजनीति में देश के लोकतंत्र के ढांचे पर दागी नेताओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा था। इन आरोपित व्यक्तियों की संख्या चुनावों के बाद बढ़ती जाती थी, और गंभीर आरोपों में भी वे पुनः चुनाव लड़कर जीत जाते थे। ऐसे लोग, जिनकी पृष्ठभूमि संदेहास्पद हो, देश के कल्याण या विकास में योगदान कैसे दे सकते हैं? बावजूद इसके, ये नेता चुनावों में नवनिर्माण के बजाय यथास्थितिवाद को कायम रखने में लगे रहे, जिससे देश क्रांति के नारों के बीच भी स्थिरता का शिकार हो गया। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा कि नई दंड संहिता लागू कर हमने न्यायिक व्यवस्था में क्रांति ला दी है, जिससे मुकदमों के निर्णय तिथिबद्ध हो गए हैं। जनता को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। अब प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ हुए अन्याय का प्रतिकार कर अपराधी को दंडित करवा सकता है और अपनी हानि की क्षतिपूर्ति का हक प्राप्त कर सकता है। नई दंड व्यवस्था के लागू होने से यह उम्मीद जगी है कि जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। पिछले वर्ष के आकलन से पता चलता है कि त्वरित न्याय का सपना अभी भी अधूरा है। नई व्यवस्था के तहत गवाहों के मुकरने के रास्ते बंद किए गए और यदि ठोस प्रमाण न हो तो न्याय को लंबित न रखने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही, संदेह का लाभ अभियुक्त को देकर बरी करने का प्रावधान भी किया गया। हालांकि, वास्तविकता में न्यायपालिका का चेहरा अभी भी पूरी तरह से नहीं निखरा है। न्याय प्रक्रिया में देरी और लंबित रह जाने की प्रवृत्ति अभी भी कायम है। जहां तक फौजदारी मुकदमों का सवाल है, ये गंभीर अपराधों से जुड़े होते हैं, जैसे दुष्कर्म, हत्या, अपहरण, नाजायज दंगा और फसाद। हालांकि, न्यायालय ने देखा है कि इन फौजदारी मुकदमों में भी अक्सर पुलिस की उदासीनता, वकीलों का रवैया और भगोड़ों की उपस्थिति के कारण देरी हो जाती है, जिससे मुकदमों का लंबित रहना सामान्य बात हो जाती है। जब मुकदमा दायर होने के बाद सुनवाई में विलंब होता है, तो आरोपितों को जमानत मिलना आसान हो जाता है।

> **“ निःसंदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पिछले वर्ष संसद में नए दंड विधान के विधेयक के पारित होने पर कहा गया कि 150 वर्षों से चली आ रही विसंगतिपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया का अंत हो गया है।**

जमानत पाने के लिए आरोपी को कुछ आर्थिक गारंटी भी देनी पड़ती है, और सरकार ने यह प्रावधान किया है कि यदि आरोपी गरीब है तो सरकार खुद एक लाख रुपये तक की जमानत भर देगी। लेकिन, सबसे अधिक गड़बड़ी दीवानी मुकदमों में देखने को मिलती है, जहां मुकदमों की सुनवाई और त्वरित निपटान की प्रक्रिया अभी भी पूरी तरह से सशक्त नहीं हो पाई है। दरअसल, नई दंड संहिता लागू होने के बावजूद जनता अभी भी लंबित न्याय के इंतजार में है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि दीवानी मुकदमों में जिन लोगों को डिक्री मिल गई, उसे लागू करवाने के लिए निष्पादन याचिकाओं पर एग्जीक्यूशन हुक्म नहीं मिल पाते। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यों के हाईकोर्ट एक प्रक्रिया विकसित करें और लंबित याचिकाओं के प्रभावी एवं शीघ्र निपटारे के लिए जिला न्यायपालिका का मार्गदर्शन करें। निष्पादन याचिकाओं को छह महीनों में निपटा देना चाहिए। उन्होंने पाया कि निष्पादन याचिकाएं तो 3-4 वर्षों तक लंबित रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर न्याय प्रक्रिया त्वरित बनानी है तो इस तौर-तरीके को बदलना पड़ेगा। वस्तुस्थिति यह है कि केवल विधेयक पारित होने से या घोषणा कर देने से ही परिवर्तन नहीं हो जाता। परिवर्तन की नीयत भी होनी चाहिए और उसके प्रति ईमानदार प्रतिबद्धता भी रहनी चाहिए। निःसंदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो यह उस लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

नक्शाः विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

शिवराज सिंह चौहान

जब भारत एक समावेशी और विकसित भविष्य की कल्पना करता है, तो इसका सबसे मज़बूत आधार-स्तंभ भूमि है। चाहे घर हो, खेत हो, दुकान हो या स्मार्ट सिटी का सपना हो - विकास का प्रत्येक रूप भूमि पर अवस्थित होता है। हालाँकि, सच्चाई यह है कि वर्षों से हमारे भू-अभिलेख अधूरे, भ्रामक और अक्सर विवादों में उलझे रहे हैं। परिणामस्वरूप, आम नागरिकों को संपत्ति खरीदने, ज़मीन विरासत में प्राप्त करने, ऋण प्राप्त करने या सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

इन दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने नक्शा (राष्ट्रीय शहरी निवास-स्थल भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह भारत में भूमि प्रबंधन, प्रशासन और भूमि-रिकॉर्ड रख-रखाव में बदलाव लाने की एक पहल है। यह कार्यक्रम एक पारदर्शी, डिजिटल और सत्यापित भू-अभिलेख प्रणाली का निर्माण कर रहा है, जो न केवल नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगी, बल्कि कस्बों और शहरों के विकास को भी गति प्रदान करेगी।

भारत में, भूमि पंजीकरण लंबे समय से एक जटिल व दस्तावेज-आधारित प्रक्रिया रही है। बिक्री विलेख, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, पटवारी सत्यापन और तहसील स्तर पर प्रस्तुतियाँ ङ्क ये सभी नागरिकों के लिए पूरी प्रणाली को बोझिल बना देती थीं। पुराने रजिस्टर और फाइलों में न केवल त्रुटियां मौजूद थीं, बल्कि इनमें आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती थी, जो कई विवादों का मूल कारण होता है। अस्पष्ट संपत्ति अभिलेखों की वजह से बैंकों से ऋण प्राप्त करने की संभावना कम हो गयी थी। उत्तराधिकार या दाखिल-खारिज की प्रक्रिया अक्सर वर्षों तक अदालतों में अटकी रहती थी। गलत माप, अस्पष्ट सीमाएँ और स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप ने इन समस्याओं को और गंभीर बना दिया। यही कारण है कि लाखों भारतीयों के लिए, सुरक्षा के स्रोत के रूप में भूमि का महत्त्व कम होता गया और यह जोखिम का प्रमुख स्रोत बन गई।

नक्शा कार्यक्रम, सटीक और डिजिटल भू-रिकॉर्ड तैयार करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण, जीएनएसएस मानचित्रण और जीआईएस उपकरण जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाता है। इस पहल के तहत, नागरिकों को 'योरप्रो' (शहरी संपत्ति स्वामित्व रिकॉर्ड) कार्ड मिलता है, जो स्वामित्व का एक डिजिटल प्रमाण है और संपत्ति के लेन-देन को आसान बनाता है। सरकार 'योरप्रो' कार्यक्रम को समर्थन दे रही है। नक्शा के साथ, लोगों को अब स्वामित्व की पुष्टि के लिए दस्तावेजों या बिचौलियों पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है। इससे ऋण प्राप्त करने, बिक्री पूरी करने, उत्तराधिकार प्राप्त करने और विवादों का निपटारा करने की प्रक्रिया तेज़ और अधिक पारदर्शी हो गयी है। अंततः, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है - यह नागरिक सशक्तिकरण, समानता और भू-स्वामित्व में कानूनी आश्वासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम मुख्य रूप से उन नागरिकों को लाभान्वित करता है, जो लंबे समय से अधूरे या अप्रचलित भू-दस्तावेजों पर निर्भर रहे हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय परिषदों के पास अब स्वच्छ, सटीक भू-स्थानिक डेटा तक पहुँच की सुविधा है, जिससे बेहतर निर्णय लेना और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। नागरिक आसानी से ऑनलाइन प्रारूप मानचित्र देख सकते हैं और आपत्तियाँ दर्ज कर सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है। यह डिजिटल प्रणाली कराधान को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाती है, साथ ही शहरी नीति-निर्माण और अवसंरचना डिज़ाइन की सटीकता और गति में सुधार करती है। संक्षेप में, जो भू-रिकॉर्ड कभी धूल भरे रजिस्टरों में केवल हस्तलिखित प्रविष्टियों के रूप में मौजूद था, वह अब रंगीन, इंटरैक्टिव और पारदर्शी डिजिटल मानचित्रों में विकसित हो गया है। यह आधुनिक, डेटा-संचालित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम का प्रभाव व्यक्तिगत स्वामित्व और प्रशासनिक दक्षता से कहीं आगे तक फैला हुआ है और यह आपदा प्रबंधन और शहरी नीति-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभर रहा है। अवस्थिति की ऊँचाई का विस्तृत डेटा प्रदान करके, यह लोगों को बाढ़-जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सक्षम बनाता है, जबकि चक्रवात, भूकंप या आग की स्थिति में, यह बिना किसी देरी के बचाव और राहत कार्यों को शुरू करने की सुविधा देता है। सत्यापित डिजिटल स्वामित्व रिकॉर्ड यह भी सुनिश्चित करते हैं कि मुआवजा और सहायता सही लाभार्थियों तक शीघ्रता से पहुँचे। इससे आपदा के बाद, पूर्वस्थिति को बहाल करने की प्रक्रिया अधिक कुशल हो जाती है। इसके अलावा, नक्शा संतुलित और सतत अवसंरचना विकास को बढ़ावा देकर दीर्घकालिक शहरी सुदृढ़ता का समर्थन करता है।

अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और दिव्यांगजनों जैसे कमजोर समूहों के लिए, नक्शा सुरक्षा और सुलभता प्रदान करता है—उन्हें संपत्ति के रिकॉर्ड ऑनलाइन देखने और सत्यापित करने की सुविधा देता है, किसी भी धोखाधड़ी और अतिक्रमण के जोखिम को कम करता है, और सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाए बिना आसान पहुँच सुनिश्चित करता है। संक्षेप में, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है, बल्कि दुनिया भर के उन नागरिकों के लिए विश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जिनकी भारत की भूमि और इसके भविष्य में हिस्सेदारी है।

भारतीय इतिहास में, भूमि विवादों ने अक्सर असमानता, संघर्ष और विलंब को जन्म दिया है—लेकिन नक्शा कार्यक्रम भूमि प्रशासन प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित बनाकर इस विरासत को बदल रहा है। स्मार्ट शहर, पीएम गति शक्ति और पीएम स्वनिधि जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ एकीकरण के जरिये, नक्शा भारत के विकास-केंद्रित भविष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। यह न केवल स्थानीय शासन को मज़बूत करता है, बल्कि नागरिक भागीदारी, सशक्तिकरण और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है, जिससे अधिक निवेश और रोज़गार सृजन का मार्ग प्रशस्त होता है। आखिरकार, भूमि सिर्फ़ एक भौतिक संपत्ति नहीं है—यह प्रत्येक भारतीय नागरिक की पहचान और विरासत है। दशकों से, यह विरासत अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के आवरण से ढँकी हुई थी, लेकिन नक्शा विश्वास, पारदर्शिता और समानता का अमृत काल प्रस्तुत कर रहा है। सुरक्षित, सत्यापित डिजिटल भूमि रिकॉर्ड के साथ, अब नागरिकों के पास सचमुच अपने सपनों की कुंजी है—जो भारत को एक अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और विकसित भविष्य की ओर ले जा रही है।

(लेखक केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री हैं)

भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा

फाउंडेशनल एग्रीमेंट्स के साथ भारत अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो अपेक्षा थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील बनेगा। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा।

भारत- अमेरिका के बीच रक्षा संबंध और गहरा करने के लिए दस साल के फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'इसका मकसद रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण एवं नीतिगत दिशा प्रदान करना है।' अगर ऐसा सचमुच हो सका, तो भारत के आश्वस्त रहने के लिए इससे एक बड़ी वजह मिलेगी। मगर ऑपरेशन सिंदूर के दरम्यान भारत को जो तजुर्बा हुआ, उसके मद्देनजर यह अगर बहुत बड़ा नजर जाता है। 2016 से 2020 के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और अमेरिका में चार महत्त्वपूर्ण समझौते हुए थे, जिन्हें फाउंडेशनल (मूलभूत) करार के रूप में जाना जाता है।

लॉजिस्टिक्स आदान-प्रदान मेमॉरेंडम समझौता, संचार अनुकूलता एवं सुरक्षा करार, बुनियादी आदान- प्रदान एवं सहयोग समझौता; तथा आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा का समझौता होने के बाद आम समझ बनी कि भारत अब अमेरिका की रक्षा धुरी से जुड़ गया है। भारत चूंकि अमेरिका की सामरिक रणनीति में सहयोगी बना, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक थी कि अमेरिका भारत की सुरक्षा के प्रति समान रूप से संवेदनशील एवं सक्रिय बनेगा।

लेकिन जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और उसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान स्थित दहशतगर्द ठिकानों पर हमले किए, तो भारत की उम्मीदों पर अमेरिका खरा नहीं उतरा।

भारत की सुरक्षा के लिए दूसरी बड़ी चिंता चीन है। मगर अब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप चीन के साथ अमेरिकी संबंध को जी-2 कह रहे हैं। यानी ट्रंप वैश्विक शक्ति संतुलन को द्वि-ध्रुवीय नजरिए से देख रहे हैं। स्वाभाविक है कि उनके इस नजरिए ने भारत में चिंता पैदा की है। साथ ही क्वॉड जैसे समूह की प्रासंगिकता पर इससे सवाल उठ खड़े हुए हैं, जिसे भारत में चीन को नियंत्रित रखने के अमेरिकी उपक्रम के रूप में देखा जाता रहा है।

ऐसे में यह अंदेशा लाजिमी है कि रक्षा सहयोग में भारत की भूमिका कहीं सिर्फ अमेरिकी हितों की पूर्ति करने और दोयम दर्जे के अमेरिकी रक्षा उपकरणों के खरीदार के रूप में ना रह जाए। यही कारण है कि फ्रेमवर्क समझौते पर दस्तखत की ताजा खबर से भारत में कम ही लोग आश्वस्त हुए हैं।

खान सर की क्लास

ब्रिटिश पत्रिका द इकोनॉमिस्ट की सहयोगी पत्रिका 1843 अपने लॉन्ग रीड्स (लंबे आलेख) के लिए प्रसिद्ध है। इस बार इसमें एक लंबी कथा भारत पर है। ऐसी कथा भारतीय मीडिया में होनी चाहिए, पर शायद उनके पास फुर्सत नहीं है। जिस तरह से खान सर के यहां रेलवे की नौकरी पाने के इच्छुक लोगों की भीड़ है, वैसे ही भीड़ पत्रकार बनने के इच्छुक लोगों की भी है। बहरहाल यह लेख अंग्रेजी में है, पर हिंदी पाठकों की सुविधा के लिए इसके हिंदी मशीन अनुवाद के साथ कुछ अंश यहां पेश हैं। तीन करोड़ भारतीय रेलवे में नौकरी चाहते हैं, लेकिन एक भयावह सामान्य ज्ञान परीक्षा उनके रास्ते में रोड़ा बनी हुई है।

वर्ष 2019 की गर्मियों में, नीरज कुमार नाम का एक 23 वर्षीय छात्र दिल्ली से पूर्वी भारत के पटना शहर जाने वाली स्लीपर ट्रेन में सवार हुआ। बर्थ उसकी पहुंच से बाहर थी, इसलिए उसने 16 घंटे की यात्रा के दौरान ज़मीन पर सोने की योजना बनाई। कुमार एक होशियार लड़का था। पहले तो उसका सपना एक फुटबॉलर बनने का था, लेकिन फिर उसने तय किया कि वह अपने बड़े चचेरे भाई की तरह इंजीनियर बनेगा। वर्ष 2015 में उसे राजस्थान के एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिल गया। अचानक उसकी ज़िंदगी बदल गई। वह क्लास के बाद बैडमिंटन खेलता था। उसे राजनीतिक फिल्में पसंद थीं, ऐसी कहानियां जो एक निचली जाति के बच्चे के रूप में उसके साथ हुए अन्याय को नाटकीय रूप से दर्शाती थीं। इन फिल्मों के नायक हमेशा मुश्किलों का सामना करते नज़र आते थे। स्नातक होने के बाद, कुमार दिल्ली चले गए और कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली सिविल सेवा परीक्षा देने लगे। उनके पिता ने उन्हें खाने-पीने और किराए के लिए पैसे भेजे। कुछ महीनों बाद उनकी बहन की सगाई हो गई और भुगतान बंद हो गया। भारत में शादियां एक महंगा काम है। कुमार ने सुना था कि रेल मंत्रालय में सिविल सेवा से कहीं ज़्यादा नौकरियां उपलब्ध हैं। उन्होंने 2018 में आवेदन किया था, लेकिन प्रक्रिया में गड़बड़ी कर बैठे। एक दोस्त ने उन्हें सलाह दी कि वे पटना के मुसल्लहपुर हाट में अगले दौर की परीक्षा का इंतज़ार करें।

एआई को लेकर अद्भुत अचम्भे में पूरी दुनिया

अजीत द्विवेदी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर पूरी दुनिया अद्भुत अचम्भे में है। जीवन के हर क्षेत्र में इसके महत्व और इसकी जरुरत को प्रमाणित करने के दावे किए जा रहे हैं। इसका असर भी दिख रहा है। एआई के कारण बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ की सैलरी बढ़ रही है और कंपनियों के शेयरों की कीमत में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के वेतन में इस साल 152 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद उनका वेतन 847 करोड़ रुपए के करीब हो गया है। एक साल में उनका वेतन 22 फीसदी बढ़ा है और ऐसा एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता की वजह से हुआ। एआई तकनीक में उतरने की वजह से माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों में बढ़ोतरी हुई, जिसका लाभ कंपनी ने सीईओ सत्य नडेला को भी दिया।

ऐसा सिर्फ एक कंपनी या एक सीईओ के साथ नहीं हुआ है। एआई की भेड़चाल में सारी दुनिया शामिल है और सब कमाई कर रहे हैं। दूसरी ओर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बाजार की खबरों के हवाले से यह आशंका जताई है कि एआई एक लाख 80 हजार नौकरियां छीन सकता है। उनकी कंपनी ने 13 हजार लोगों की छंटनी की है और अब अमेजन ने कहा है कि वह एमबॉट्स तैनात करने जा रहा है, जिससे तत्काल 18 हजार लोगों की नौकरियां जाएंगी। एक तरफ एआई से चुनिंदा लोगों की कमाई बढ़ रही हैं और दूसरी ओर लाखों लोगों की नौकरियां जा रही हैं। यह एक विरोधाभास है, जिससे हर नई तकनीक को गुजरना होता है।

लेकिन हम इस विरोधाभास की चर्चा नहीं कर रहे हैं। हम एआई की उन खामियों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिनके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। टुकड़ों में खबरें आती हैं और फिर कहीं गायब हो जाती हैं। देश के जाने माने पत्रकार शेखर गुप्ता ने अपने एक लेख में इसके झूठ का पर्दाफाश किया है। उन्होंने बताया है कि एआई कितना झूठ बोल सकता है या कितनी गलत जानकारी आपके सामने परोस सकता है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ऑपरेशन सिंदूर के लिए घोषित वीरता पुरस्कारों के बारे में एआई टूल ग्रोक से जानकारी मांगी थी। ग्रोक ने उन्हें ऐसी ऐसी जानकारी दी, जिसका सचाई से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था।

ग्रोक ने वीरता पुरस्कार पाने वालों का ऐसा प्रशस्ति गान किया, जिसकी मिसाल नहीं दी जा सकती है। इतना ही नहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई के दौरान के ऐसे ऐसे कारनामे बताए, जिनका हकीकत से कोई लेना देना नहीं था, लेकिन जिन्हें युद्ध के समय एक खास मकसद से व्हाट्सऐप के जरिए प्रचारित किया गया था। यानी जिस झूठ का प्रचार, प्रोपेगेंडा किसी खास मकसद से, किसी खास समूह द्वारा किया जाता है, एआई टूल उसे सची खबर बना कर आपके सामने पेश कर सकता है। सोचें, कितना आसान है अपने झूठ के प्रचार के लिए एआई टूल्स को इस्तेमाल कर लेना!

कहानी इतने पर खत्म नहीं होती है। शेखर गुप्ता ने जब सरकार की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना का लिंक खोल लिया और सारी जानकारी उनके सामने आ गई तो उन्होंने ग्रोक से जवाब तलब किया तो उसने गलती मानी और कम से कम एक मामले में उनको सही जानकारी उपलब्ध कराई। इसका मतलब है कि एआई टूल सही जानकारी दे सकता है लेकिन उसको अगर इस्तेमाल किया जाए तो वह झूठ और प्रोपेगेंडा को भी सची खबर बना कर प्रचारित और प्रसारित कर सकता है।

ग्रोक के साथ अपने अनुभव में शेखर गुप्ता के तीन निष्कर्ष हैं। पहला, 'एआई तेज है, बल्कि कुछ ज्यादा ही तेजतर्रार है। यह आपको तथ्य उपलब्ध कराने का वादा करता है, लेकिन आपकी जरूरत के मुताबिक सजा धजाकर नैरेटिव गढ़ सकता है'। दूसरा, 'एआई प्रोपेगेंडा, दुष्प्रचार और सूचना के साथ खिलवाड़ को नए स्तर पर ले जा रहा है' और तीसरा, 'एआई को आसानी से शिकार बनाया जा सकता है'।

अब सवाल है कि एआई टूल ग्रोक ने यह बात वेब पर उपलब्ध खबरों से उठा कर पेश कर दी या उसे इस रूप में प्रशिक्षित किया गया है कि वह ऐसे मामलों में इसी तरह का नैरेटिव पेश करे? इस सवाल का जवाब देने के लिए कई संदर्भ उपलब्ध हैं, जिनसे सही जवाब तक पहुंचा जा सकता है। एक संदर्भ चीन के बनाए जेनेरेटिव एआई डीपसीक का है। उससे आप कितना भी पूछें वह थियेनआनमन चौक पर हुए नरसंहार के बारे में सही जानकारी नहीं देगा। इसी तरह वह भारत के कई क्षेत्रों को चीन का हिस्सा बताता है। वह ताइवान को भी चीन का ही हिस्सा बताता है।

जाहिर है कि चीन ने उसका एलगोरिद्म इस तरह से तैयार किया है कि वह चीन के हित को प्राथमिकता देकर ही कोई भी जवाब देगा। दूसरा संदर्भ इलॉन मस्क के टूल ग्रोक के एनसाइक्लोपीडिया, जिसका नाम ग्रोकपीडिया है और विकीपीडिया के जवाबों को देख सकते हैं। मस्क का अपना जो एनसाइक्लोपीडिया है वह तथ्यों को इस अंदाज में पेश करता है, जिससे मस्क के गोरे और नस्ली श्रेष्ठता को सपोर्ट किया जा सके। जॉर्ज फ्लॉयड के बारे में पूछे गए सवाल पर दोनों के जवाब का अंतर इसको दिखाता है। पहले यह जान लें कि जॉर्ज फ्लॉयड एक अश्वेत व्यक्ति थे, जिनको एक गोरे पुलिस अधिकारी ने मिनियापोलिस में गिरफ्तार किया और उनकी गर्दन पर घुटना रख कर बैठ गया, फ्लॉयड कहते रहे कि वे सांस नहीं ले पा रहे हैं लेकिन अधिकारी डेरेक शॉविन ने गर्दन पर से पैर नहीं हटाए, जिससे उनकी जान चली गई थी। इस बारे में विकीपीडिया ने कहा, 'जॉर्ज पेरी फ्लॉयड जूनियर एक अफ्रीकी अमेरिकी थे, जिनके हत्या एक गोरे पुलिस अधिकारी ने मिनियापोलिस में कर दी थी। पुलिस ने फ्लॉयड को एक स्टोर में 20 डॉलर का जाली नोट देने के संदेह में पकड़ा था'। दूसरी ओर मस्क के ग्रोकपीडिया ने जवाब दिया, 'जॉर्ज पेरी फ्लॉयड जूनियर एक अमेरिकी था, जिसका बहुत लंबा आपराधिक रिकॉर्ड था। 1997 से 2007 के बीच जिसमें हथियार और ड्रग्स रखने और चोरी के कई मामलों में सजा हुई थी'। उसने बताया नहीं कि एक गोरे अधिकारी ने उसको मार डाला था। अब आप सोचें कितना आसान है इस तरह के एआई टूल्स से नैरेटिव सेट करना या प्रोपेगेंडा करना? हजारों पन्नों की किताब लिख कर या अखबार छाप कर या लंबे भाषण देकर जो नैरेटिव नहीं सेट किया जा सकता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फ़ाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती का आयोजन कल

दल्लीराजहरा। जायसवाल समाज के संगठन मंत्री श्याम जायसवाल ने बताया कि 11 नवंबरदिन मंगलवार को जायसवाल समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी का जयंती मनाया जायेगा। पूजन कार्यक्रम जायसवाल भवन वार्ड क्रमांक 19 में सुबह 08 बजे शुरू किया जाएगा। जिसमें भगवान सहस्त्रबाहु बाहु जी व बुढ़िया माई का पूजन किया जायेगा। दोपहर 12 बजे से वार्ड क्रमांक 09 स्थित गायत्री मंदिर में समाज का मिलन समारोह होगा जिसमें समाज के वरिष्ठों का सम्मान कार्यक्रम व भोज का आयोजन होगा। पहली बार इस कार्यक्रम को भव्य रूप में किया जा रहा है। इसमें दल्लीराजहरा, कुसुमकसा, डौंडी, कच्चे, बडगांव, भानुप्रतापपुर और कांकेर के समस्त जायसवाल परिवार सहित सम्मिलित होंगे।

सभी आयुक्त होंगे अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए नगर निगम आयुक्तों को संबंधित निगम क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। आयोग के आदेशानुसार जिले के दुर्ग निगम आयुक्त का अधिकार क्षेत्र दुर्ग नगर निगम, भिलाई–3 आयुक्त का अधिकार क्षेत्र भिलाई–3 चरोदा नगर निगम, भिलाई आयुक्त का अधिकार क्षेत्र भिलाई नगर निगम तथा रिसाली आयुक्त का अधिकार क्षेत्र रिसाली नगर निगम के लिए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी के तौर पर होगा।

भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम का चयन संपन्न

भिलाई। भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के तत्वावधान में दिल्ली बॉल बैडमिंटन संघ के द्वारा भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम (पुरूष व महिला) का चयन किया गया। भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के महासचिव वाई राजाराव ने बताया कि देशभर से आए लगभग 200 पुरुष व महिला बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों ने चयन प्रतियोगिता में भाग लिया। चुनी गई टीमें भारत का प्रतिनिधित्व नेपाल, मलेशिया और श्रीलंका में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में करेंगे। चयन में संरक्षक जेपी व्यास, संयुक्त सचिव गौरी शंकर, शौकत अली मंसूरी, दिल्ली बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव अनूप कुमार, कोषाध्यक्ष विजय गौर, चयन समिति के चेयरमैन वीरभद्र राव, सदस्य बाबू रेड्डी, गौरी शंकर, लक्ष्मीकांत शर्मा उपस्थित थे।

सृष्टि श्रीवास बनी चार्टर्ड अकाउंटेंट

भिलाई। सीए परीक्षा में सफलता हासिल कर सृष्टि श्रीवास ने अपने परिवार और भिलाई शहर का नाम रोशन किया है। सृष्टि श्रीवास को कम उम्र में सफलता को हासिल करने पर परिजनों, मित्रों और सेन समाज के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

उज्जैन के कालीदास समारोह में प्रदर्शित होगी भिलाई के विद्यार्थी की पेंटिग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी की पेंटिंग का चयन राष्ट्रीय कालिदास समारोह उज्जैन में हुआ है। वर्तमान में देशभर से आए प्रसिद्ध कलाकारों के पेंटिंग की प्रदर्शनी यहां जारी है।

ज्ञात हो कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य से वे पहले कलाकार हैं जिनका चयन इस प्रतिष्ठित समारोह में हुआ है। वहीं कालिदास अकादमी ने उनकी पेंटिंग को आमंत्रण पत्र पर प्रकाशित करके उनकी कला को विशिष्ट सम्मान दिया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत चित्रकार डी.एस. विद्यार्थी अपनी शोख एवं चटख रंग की पेंटिंग के लिए जाने जाते हैं। उनकी खास चित्र शैली ने उन्हें सब कलाकारों से अलहदा स्थापित किया है। उज्जैन का कालिदास समारोह अपने भारतीय पारंपरिक कला के लिए पूरे देश में जाना जाता है।

इस वर्ष यहां महाकवि कालिदास रचित प्रसिद्ध नाटक मालविकाग्नि–

मित्रम पर चित्र और मूर्ति बनाने के लिए कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई थी। जिसमें विद्यार्थी जी ने विषयानुकूल अत्यंत ही मनोहारी पेंटिंग का चित्रण किया है।

ज्ञात हो कि विद्यार्थी जी भारतीय पारंपरिक कला के सशक्त हस्ताक्षर हैं। वे गीता के 700 श्लोकों पर भी पेंटिंग बना रहे हैं।

अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन वे देश के अनेक शहरों में करते रहे हैं। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वे वर्षों से बच्चों को निशुल्क कला सिखाते आ रहे हैं। उन्हें अनेक राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। श्री विद्यार्थी की इस उपलब्धि से भिलाई शहर गौरवान्वित हुआ है।

उनकी पेंटिंग का चयन होने पर सुप्रसिद्ध चित्रकार बी.एल. सोनी, मूर्तिकार मोहन बराल, प्रवीण कालमेघ, मीना देवांगन, साहित्यकार मेनका वर्मा एवं ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेंबर डा. अंकुश देवांगन ने बधाई दी है।

कचरा ढोने वाली 70 फीसद गाड़ियां कंडम, डोर-टू-डोर कलेक्शन प्रभावित

कचरा नहीं उठने से मोहल्ले में फैल रही बदबू, लोगों में बढ़ रही नाराजगी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई–3। शहरी स्वच्छता योजना का पूरा दारोमदार कचरा ढोने वाली गाड़ियों पर है. लोग अपने घर का कचरा गेट पर रखकर इन गाड़ियों का इंतजार करते हैं। जैसे ही वे सुनते हैं – गाड़ी वाला आया घर से कचरा निकाल, तो उनके चेहरों पर निश्चिंतता आ जाती है। पर पिछले काफी समय से इसमें अड़चन आ रही है। गाड़ी या तो आती ही नहीं या फिर तीन चार दिन में आती है। कारण यह है कि कचरा ढोने वाली 70 फीसदी गाड़ियां सड़–गल कर खत्म हो चुकी हैं।

भिलाई–3 चरोदा निगम में पिछले दो साल से सफाई का यही हाल है। कचरा एसएलआरएम सेंटर तक ले जाने वाले 70 फीसदी वाहन बेकार हो चुके हैं। लिहाजा डोर टू डोर कचरा 3–4 दिन की आड़ में उठ रहा है।

शासन ने डेढ़ साल पहले कचरा परिवहन के लिए 15वें वित्त से वाहन खरीदने करीब साढ़े सात करोड़ स्वीकृत किए है, लेकिन निगम प्रशासन अब तक वाहन नहीं खरीद पाया है। दो बार निविदा बुलाई गई, लेकिन किसी न किसी कारण से निरस्त कर दी गई। निगम प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है जो 3–4 दिन तक कचरा नहीं उठने की वजह से बदबूदार वातावरण में रहने को मजबूर हैं।

निगम क्षेत्र के 40 वार्ड में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए 130 वाहन हैं। इनमें टिप्पर, ट्रैक्टर, ई रिक्शा, हैंड ट्राली, पैडल रिक्शा आदि शामिल हैं। इनमें से 70 फीसदी वाहन कंडम हो चुके हैं। 30 फीसदी वाहनों का इस्तेमाल ही कचरा ढोने में किया जा रहा है। उनमें भी ज्यादातर की हालत खराब है।

परिवहन के काम में लगे कर्मी तार और रस्सी बांधकर वाहन को इस्तेमाल के लायक बनाकर रखे हुए हैं। इसका असर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन पर पड़ रहा है। सफाई कर्मी तीन–चार दिन बाद घरों में कचरा उठाने पहुंच रहे हैं। तब तक वह कचरा घर में ही जमा रहता है। इसी तरह सड़क और नाली से भी दो–दो तीन–तीन दिन बाद कचरे का उठाव हो रहा है।

निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त रखने शासन ने जुलाई 2024 में कचरा परिवहन के लिए वाहन खरीदी करने साढ़े सात करोड़ से अधिक राशि स्वीकृत की, लेकिन उसका उपयोग नहीं हो पाया है। अब तक दो बार निविदा प्रक्रिया की गई, लेकिन बीच में ही निरस्त कर दी गई। इसे लेकर निगम प्रशासन की ओर से ठोस कारण भी नहीं बताया गया।

निगम में सांसद प्रतिनिधि विपिन चंद्राकर का कहना है कि कचरा परिवहन के लिए फंड मिलने के डेढ़ साल बाद भी वाहन खरीदने में निगम प्रशासन अब तक नाकाम रहा है। इससे साफ हो जाता है कि निगम के सत्तापक्ष और प्रशासनिक अधिकारियों को क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ की कोई चिंता नहीं है।

इस संबंध में भिलाई–3 चरोदा के महापौर निर्मल कोसरे का कहना है कि कचरा परिवहन वाहनों की खरीदी के लिए निविदा बुलाई गई है। जल्द ही इस प्रक्रिया को पूरी कर ली जाएगी। कम वाहन उपलब्ध होने के बाद भी निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को मेंटेन करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिना जुताई जीरो टिलेज सीड ड्रिल पद्धति से की जाए गेहूं की खेती

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को बिना जुताई गेहूं बोने की विधि, जीरो टिलेज सीड ड्रिल पद्धति अपनाने हेतु सलाह दी गई है। उन्होंने अवगत कराया है कि पिछली फसल (जैसे धान) की कटाई के बाद खेत में जुताई न करें। खेत में कम से कम 30–40 प्रतिशत अवशेष रहने दें। जीरो टिलेज सीड ड्रिल मशीन का उपयोग करें, जो बिना जुताई के सीधे खेत में बीज और उर्वरक बोती है। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। बहुत अधिक सूखा या बहुत अधिक गीले खेत में बुवाई से बचें। बुवाई शुरू करने से पहले, सुनिश्चित करें कि मशीन को सही ढंग से समायोजित किया गया है, ताकि बीज और खाद उचित मात्रा और गहराई में गिरें। गेहूं के लिए 3–4 सेंटीमीटर की गहराई ठीक होती है। धान की कटाई के बाद डंठल (नरई) 15–20 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होने चाहिए, ताकि मशीन आसानी से चल सके। मशीन को खेत में चलाएं। यह एक पतली लाइन में बीज और उर्वरक बोएगी, जिससे मिट्टी फटेगी नहीं और बीज सही जगह पर जाएगा।

जीरो टिलेज विधि के फायदे

जुताई और खेत तैयार करने का खर्च और समय बचता है। बीज और उर्वरक सही गहराई में गिरते हैं, जिससे अंकुरण बेहतर होता है। मिट्टी की नमी बनी रहती है, जिससे सिंचाई की आवश्यकता कम हो जाती है। इस विधि से पैदावार 10 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। पिछली फसल के अवशेष खेत में ही सड़कर मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं।

जिले में 15086 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के चिन्हित सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार अपडेशन का कार्य निरंतर जारी है। 50 विभिन्न स्कूलों में शिविर लगाकर 2062 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 299 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया और एक विद्यार्थी का नया आधार बनाया गया।

जिले में 28 अक्टूबर से 07 नवम्बर 2025 तक चलाए गए इस विशेष अभियान के अंतर्गत अब तक 349 शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों के माध्यम से कुल 15086 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन, 2382 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन एवं 13 विद्यार्थियों का नया आधार निर्माण किया गया है।

कलेक्टर ने इस कार्य की नियमित समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले के प्रत्येक पात्र विद्यार्थी का बायोमेट्रिक एवं आधार अपडेशन समय–सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं के लाभ विद्यार्थियों तक सुगमता से पहुँच सकें।

साइंस कालेज में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम का समूह गायन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वंदेमातरम सिर्फ राष्ट्रीय गीत ही नही वरन् भारत की आत्मा और राष्ट्र भावाभिव्यक्ति का एक शाष्वत मंत्र है। स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों का मंत्र बना यह गीत आज भी देशवासियों के प्रेरणा का अजेय स्रोत बन युवाओं को प्रेरित कर रहा है। उक्त बातें शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातर्म के 150 वर्ष पूर्ण होने पर महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित वंदे मातर्म के सामूहिक गायन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने आगे कहा कि 1875 में बंकिमचंद चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस अमर गीत का सर्वप्रथम प्रकाशन बंग दर्शन पत्रिका में हुआ। बाद में उनके ऐतिहासिक उपन्यास में समाहित वंदे मातरम गीत करोड़ों भारतवासियों का कंठहार बनी।

मुख्य अतिथि महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने वंदे मातरम के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी देशवासियों को अनंत शुभकामनायें प्रेषित की।

शासकीय संगीत महाविद्यालय, दुर्ग के विद्यार्थियों एवं एनएसएस तथा एनसीसी के विद्यार्थियों की अगुवाई में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने एकत्रित होकर सामूहिक गायन किया।

कार्यक्रम से पूर्व प्राचार्य, प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने कम्प्यूटर लैब में इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सीधे प्रसारित हो रहे भाषण को सुना। इतिहास विभाग की डॉ. ज्योति धारकर ने बताया कि महाविद्यालय में प्रथम चरण में 07 से 14 नवम्बर तक वंदे मातरम से संबंधित सामूहिक गायन, लघ्रु फिल्म एवं पोस्टर निर्माण आदि गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

स्कूलों में फर्स्ट-एड किट रखना अनिवार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आज प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत संचालन एवं मॉनिटरिंग समिति की प्रथम बैठक कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर ने विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी एवं संबंधित प्रभारी स्वयं विद्यालयों में जाकर मध्यान्ह भोजन का टेस्ट करें, ताकि भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन तैयार करने के लिए एलपीजी गैस के उपयोग को अनिवार्य करने के निर्देश दिए। इस संबंध में उन्होंने खाद्य अधिकारी को सभी स्कूलों में एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही, जिला शिक्षा अधिकारी को खाद्य अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि जिले के सभी विद्यालयों में शत–प्रतिशत एलपीजी गैस से भोजन बनाया जा सके।

इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी स्कूलों में फर्स्ट एड किट अनिवार्य रूप से रखी जाए। उन्होंने बीईओ को निरीक्षण के दौरान स्कूलों की फर्स्ट एड किट की जांच करने के निर्देश दिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दवाइयां एक्सपायर न हों।

कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में निकटतम अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र का संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां भी विद्यालयों में मेजर रिपेयर की आवश्यकता है, उसे प्राथमिकता से पूरा किया जाए।

सभी स्कूलों में शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था की भी समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम क्षेत्र के सभी स्कूलों में पानी की व्यवस्था नहीं है तो जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित किया जाए।

पाटणकर कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय गीत ‘वंदेमातरम् का सामूहिक गायन’

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, में 7 नवम्बर को राष्ट्रीय गीत ‘वंदेमातरम्’ की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर छात्राओं, प्राध्यापकों एवं समस्त कर्मचारियों ने ‘वंदेमातरम्’ का सामूहिक गायन किया।

प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने ‘वंदेमातरम्’ की भावना का मर्म समझाते हुए छात्राओं से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र भावना से ओत–प्रोत हो राष्ट्र हेतु समर्पण के लिए आह्वान किया। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित इस राष्ट्रीय गीत को किन परिस्थितियों एवं भावना से प्रेरित होकर रचा गया इन तथ्यों पर प्राचार्य ने प्रकाश डाला।

डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. केएल राठी, डॉ. रेश्मा लाकेश, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. अनुजा चैहान, डॉ. विजय वासनिक, डॉ. मोनिया राकेश, डॉ. मंजुलता साव, ज्योति भरणे, डॉ. ऋतु दुबे एवं अन्य प्राध्यापक गण तथा स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित थी। संचालन संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने किया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

एसआईआर : 6 दिन में 43 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अब तक करीब 43 लाख मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कि प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या का लगभग 21 प्रतिशत है। विगत 4 नवम्बर से एसआईआर की शुरूआत के बाद से बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा पहुंचे गीदम के साप्ताहिक बाजार

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा पहुंचे गीदम के साप्ताहिक बाजार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बस्तर संभाग के दौरे के दौरान गीदम पहुंचे, जहां

उन्होंने स्थानीय साप्ताहिक बाजार का दौरा किया। व्यापारियों ने बताया कि शासन की नीतियों से अब व्यापार में सुगमता आई है। जीएसटी दरों में कमी से सामान सस्ते हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। नक्सल भय समाप्त होने से वे निडर होकर बाजारों में अपना व्यापार कर पा रहे हैं, और ग्रामीणों तक सही कीमत पर आवश्यक वस्तुएं पहुंच रही हैं। ग्रामीणों ने भी नक्सल समस्या के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कारीआम-बसंतपुर मार्ग पर तेजी से बीटी पेच रिपेयर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव की घोषणा के अनुरूप

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कारीआम-बसंतपुर मार्ग, जो कि जिला मुख्यालय एवं बिलासपुर आवागमन का मुख्य मार्ग है और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग मध्य प्रदेश की सीमा से लगा हुआ अंतरराज्यीय मार्ग है। दोनों मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य तेजी से चल रहा है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग पेंड्रा संभाग पेंड्रारोड द्वारा किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि उक्त दोनों मार्गों में यातायात घनत्व अधिक होने के कारण मार्ग जर्जर हो गया है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के

प्रतिभाशाली युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत अब युवा सहभागिता से सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिले के इच्छुक युवाओं को सीजी पीएससी, व्यापम, एसएससी, रेलवे, पुलिस भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग तथा कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

पसान पीएचसी में 108 की सेवाएं ठप, सेवा प्रदाता कंपनी से मांगा स्पष्टीकरण

- **सीएमएचओ ने राज्य को भी पत्र भेजा**

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड क्षेत्र के पसान पीएचसी पर आधारित सरकार से अनुबंधित डॉयल 108 एंबुलेंस सेवा लगभग एक महीने से बंद पड़ी है। इसके चलते मरीजों को इसकी सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है।

दूरस्थ क्षेत्र के लोग इस सेवा के अभाव में लंबे समय से परेशान हैं। इस पीएचसी को जो एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है उनकी उपयोगिता असामान्य कारणों से साबित नहीं हो पा रही है।

राज्य सरकार ने एंबुलेंस संचालन के लिए जीओस के साथ एग्रीमेंट कर रखा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नियुक्त हुए चालक और अन्य कर्मी की सेवाएं इनके संचालन में प्राप्त हो रही है। आपात स्थिति में मरीजों को दुर्घटना स्थल से लेकर घर या कार्यस्थल से अस्पताल लाना और वापस छोडने की है।

इस मामले में लंबे समय से 108 संजीवनी पीडितों के लिए वरदान साबित होती रही। खबर के अनुसार लगभग एक महीना हो चुका है जबकि पसान क्षेत्र में यह एंबुलेंस स्थाई रूप से खड़ी हो गई है।

एंबुलेंस के स्थायी रूप से खड़े हो जाने के पीछे जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं लेकिन ये वापस पटरी पर कैसे आएगी ये बताने वाला कोई नहीं है। इस चक्कर में कुल मिलाकर मरीजों व उनके परिजनों को सरकारी सेवा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

आखिर बात क्या है और ऐसा कब तक चलेगा, इस संबंध में कोरबा के सीएमएचओ डॉ. एसएन केसरी से बातचीत की गई। जिस पर उन्होंने बताया कि विभिन्न माध्यमों से पसान क्षेत्र में 108 के एक्टिव न होने की जानकारी मिली है। हमारी ओर से राज्य सरकार के संबंधित विभाग से इस बारे में पत्राचार किया गया है। इसके साथ ही सेवा प्रदाता कंपनी के प्रबंधन को नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया है। दोनों ही स्थितियों में संबंधित बिंदु का परीक्षण करने के साथ एंबुलेंस संचालन को यथावत किया जाएगा।

दीपका परियोजना में भामसं और इंटक के सदस्यों ने ली एटक की सदस्यता

120 श्रमिकों ने ली निष्ठा की शपथ ; एटक वर्कर्स क्लब में आयोजित हुआ कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा-पश्चिम दीपका परियोजना अंतर्गत गेवरा स्थित एटक वर्कर्स क्लब में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ और इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस से जुड़े कई पदाधिकारियों और श्रमिकों ने ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर करीब 120 श्रमिकों ने एटक संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

कार्यक्रम में कोरबा क्षेत्र की विभिन्न खदान परियोजनाओं से बड़ी संख्या में कोयला मजदूर उपस्थित थे। मंच पर एटक के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एटक के केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने की। उनके साथ मंच पर केंद्रीय महामंत्री अजय विश्वकर्मा, केंद्रीय उप महामंत्री बी. धर्मा राव गेवरा क्षेत्रीय सचिव एवं केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष दीपक उपाध्याय, हसदेव क्षेत्र के डी.एन. सिंह, कुसमुंडा क्षेत्र के सचिव अजीत सिंह, हसदेव क्षेत्र के प्रमोद तिवारी तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कोरबा क्षेत्र के सक्रिय पदाधिकारी विनोद कुमार

यादव, जीत सिंह (अध्यक्ष दीपका क्षेत्र), गोपाल यादव (कार्यवाहक अध्यक्ष एटक), सत्येंद्र मिश्रा, ज्ञानेंद्र द्विवेदी, बी.एल. यादव, रामनारायण राजवाड़े, सुरेंद्र स्वर्णकार, संतोष पटेल, योगेश साहू, भारत लाल साहू, किशोर राजपूत, ईवीएम गभेल और भीम खरे सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद थे।

एटक की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख पदाधिकारियों में बीएमएस से अजय राठौर और इंटक से रामकुमार कौशिक शामिल रहे। इन दोनों ने अपने साथियों सहित लगभग 120 कोयला कर्मियों को एटक से जोडने में भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान एटक केंद्रीय अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 'एटक मजदूरों की असली आवाज है।

आज देशभर में श्रमिक अधिकारों पर जो चुनौतियां हैं, उनका मुकाबला केवल एकजुट होकर ही किया जा सकता है। एटक मजदूरों की लड़ाई सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों स्तरों पर मजबूती से लड़ रहा है। जो साथी आज हमारे साथ जुड़े हैं, वे श्रमिक आंदोलन की नई ताकत बनेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि एटक संगठन सदैव श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित रहा है। एटक से जुडना सिर्फ संगठन परिवर्तन नहीं, बल्कि 'श्रमिक चेतना और एकता का संकल्प' है। केंद्रीय महामंत्री अजय विश्वकर्मा ने कहा कि कोरबा जैसे औद्योगिक जिलों में श्रमिकों के हितों की रक्षा हेतु एकजुटता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि एटक का उद्देश्य किसी के विरोध में नहीं बल्कि मजदूर हितों के समर्थन में मजबूत मंच तैयार करना है।

केंद्रीय उप महामंत्री बी. धर्मा राव ने कहा कि कोरबा, गेवरा और दीपका परियोजनाएं देश की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ हैं, और यहां कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में नवनियुक्त सदस्यों को एटक संविधान की प्रति वितरित की गई और सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई कि वे श्रमिक हितों के लिए संघर्ष और संगठन के सिद्धांतों का पालन करेंगे, कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी गोपाल यादव (कार्यवाहक अध्यक्ष एटक) ने निभाई तथा आभार केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने किया।

गजरथ यात्रा से प्रचारित हो रही हाथी के स्वभाव की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। विगत कई वर्षों से जशपुर जिला हाथी विचरण क्षेत्र रहा है एवं हाथियों की उपस्थिति निरंतर बनी हुई है। यहां की भौगोलिक संरचना तथा घने वनक्षेत्र एवं अन्तर्राज्य सीमा से लगे होने के कारण कई स्थलों से हाथियों का प्रवेश जशपुर जिले में होता है। जिससे हाथी मानव द्वंद की घटनायें होने की संभावनाएं बनी रहती है। इसके कारण दोनों पक्षों को भारी हानि उठानी पड़ती है जिसे सही जानकारी के द्वारा कम से कम किया जा सकता है।

जशपुर वनमण्डल द्वारा हाथी मानव द्वंद को न्यूनतम करने उद्देश्य से 21 जून 2025 को गजरथ यात्रा 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया है।

गजरथ यात्रा हाथी प्रभावित अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर दौरा कर हाथी के व्यवहार एवं गतिविधियां के संबंध में विशेष रूप से हाथी प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों में कक्षा 06 वीं से 12वीं के छात्र व छात्राओं को जानकारी देकर जागरूक करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही गांव के चौपालों में चलचित्र के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों में जागरूकता लाने का कार्य करेगी।

गजरथ यात्रा फरसाबहार, कुनकुरी बगीचा एवं पत्थलगांव विकासखण्ड अन्तर्गत आने वाले 92 स्कूलों में हाथी के व्यवहार एवं गतिविधियां की जानकारी लगभग 9800 छात्र व छात्राओं देकर गजरथ यात्रा कांसाबेल विकासखण्ड में पहुंचकर अब तक 04 स्कूलों के 903 छात्र व छात्राओं को हाथी के व्यवहार एवं गतिविधि की जानकारी दिया गया। वर्तमान में कांसाबेल विकासखंड में निरंतर गजरथ यात्रा अपना कार्य कर रही है तथा लोगों को हाथी के स्वभाव की जानकारी दे रही है।

छत्तीसगढ़ में जैव ईंधन के उत्पादन में हो रहा बड़ा निवेश, राज्य का रोडमैप तैयार

सीबीडीए द्वारा बायोफ्यूल एक्सपो तथा सेमीनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा राजधानी रायपुर में बायोफ्यूल एण्ड बायो एनर्जी एक्सपो का आयोजन 7 से 9 नवंबर तक स्थानीय श्रीराम बिजेनस पार्क में किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल रोडमैप विजन 2024-29 पर आयोजित सेमीनार में बायोफ्यूल तकनीक पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के सीईओ सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ की जैव ईंधन रोडमैप की चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को बायोफ्यूल के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की पहल हो रही है।

सीईओ सुमित सरकार ने बताया कि छत्तीसगढ़ में निजी कंपनियों ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-2030 के अनुरूप, लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। गेल और बीपीसीएल जैसी ओजीएमसी ने विभिन्न यूएलबी में 8 एमएसडब्ल्यू/बायोमास

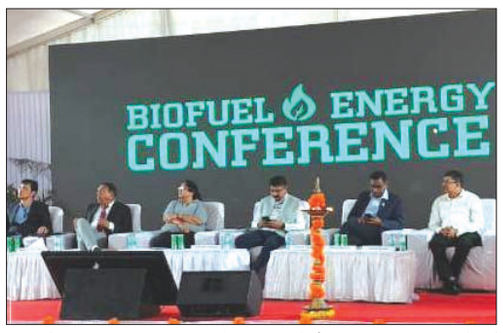

आधारित संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ओएनजीसी ग्रीन और एचपीसीएल ग्रीन वर्तमान में सीबीजी उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने के लिए विभिन्न स्थानों का सर्वेक्षण कर रही हैं।

राज्य में चावल, मक्का और चने के अवशेषों का उपयोग करके बायोएथेनॉल और कम्प्रेस्ड बायोगैस बनाने के लिए फीडस्टॉक-आधारित परीक्षण किया जा रहा हैं। इसके साथ ही कृषि अपशिष्ट को सब्सट्रेक्ट के रूप में उपयोग करके एंजाइम उत्पादन परीक्षण और नए माइक्रोबियल स्ट्रेन का संवर्धन हो रहा है। उन्होंने बताया कि बायो-विमानन ईंधन के क्षेत्र में सीबीडीए अब बायोमास-आधारित हाइड्रोजन के उत्पादन की तैयारी कर रहा है, जिसका उपयोग बाद में हाइड्रोप्रोसेस्ड एस्टर और फैटी एसिड तकनीक के माध्यम से एसएएफ उत्पादन के लिए किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में अधिशेष चावल को प्राथमिक फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करके बायोएथेनॉल उत्पादन के लिए पहले ही एक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित कर ली है। हाल ही में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई), कानपुर के सहयोग से, सीबीडीए बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स स्थल, ग्राम गोढ़ी, जिला दुर्ग में एक वैकल्पिक फीडस्टॉक स्थापित करने के लिए चुकंदर की खेती पर परीक्षण शुरू किया है। अगला कदम इथेनॉल उत्पादन के लिए इसकी क्षमता का परीक्षण करना है, जिससे भारत के 20 प्रतिशत मिश्रण लक्ष्य और उससे आगे की उपलब्धि में सहायता मिलेगी, जिससे इस पहल की निरंतर सफलता सुनिश्चित होगी।

बारनवापारा में दिखा बाघ, बढ़ी हलचल, अलर्ट पर वन विभाग

वन विभाग द्वारा उठाए गए रक्षात्मक कदमों के नतीजे आ रहे सामने

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बारनवापारा अभ्यारण्य में फिर से टाइगर की मौजूदगी दर्ज की गई है। वन विकास निगम क्षेत्र में टाइगर मूवमेंट के संकेत मिलने के बाद वन विभाग अलर्ट पर है। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन तेज करते हुए इलाके में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है।

दरअसल, बलौदा बाजार और महासमुंद जिले की सीमा पर स्थित वन विकास निगम क्षेत्र में बाघ के पैरों के निशान और मूवमेंट के संकेत मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, यह बाघ पड़ोसी राज्य के जंगलों से यहां पहुंचा है। फिलहाल विभाग बाघ के मूवमेंट पर नजर रखे हुए है और इलाके में कैमरा ट्रैप एवं पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सर्च ऑपरेशन जारी, आवाजाही पर रोक

वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों को फिलहाल जंगल के नजदीक जाने से रोका गया है। पर्यटकों के लिए कुछ रास्तों पर अस्थायी रोक लगाई गई है। विभाग का कहना है कि इससे बाघ को सुरक्षित माहौल मिलेगा और किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सकेगा। पिछले वर्ष भी इसी क्षेत्र में एक बाघ सक्रिय था, जिसे बाद में ट्रेंकुलाइज कर गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व भेजा गया था।

हाथियों की मौजूदगी ने बढ़ाई चुनौती

इसी इलाके में फिलहाल 28 हाथियों का दल भी सक्रिय है, जिससे वन विभाग की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कुछ दिन पहले हाथियों ने हरदी गांव में एक व्यक्ति की जान ले ली थी और तीन हाथी कुएं में गिर गए थे, जिन्हें बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना पड़ा था। हाल ही में हाथियों ने अभ्यारण्य अधीक्षक की गाड़ी तोड़ दी थी।

संरक्षण के लिहाज से अच्छी खबर

बारनवापारा में बाघ की मौजूदगी यह दर्शाती है कि जंगल का पारिस्थितिकी तंत्र बाघों के अनुकूल हो रहा है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह न सिर्फ क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे राज्य के वन्यजीव संरक्षण अभियान के लिए एक सकारात्मक संकेत है। विभाग ने पूरे क्षेत्र में चौकसी बढ़ाई है और किसी भी वन्य गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है।

जशपुर जम्बूरी की हुई जबरदस्त ब्रांडिंग, बढ़ेगा पर्यटन

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जशपुर जम्बूरी की जबरदस्त ब्रांडिंग हुई। विभिन्न विशेषज्ञ सेवाओं ने इसे सफल बनाने के लिए दिन रात योजनाबद्ध ढंग से काम किया। ट्रिप्पी हिल्स ने जहां ऑन-ग्राउंड संचालन, लॉजिस्टिक्स और प्रचार-प्रसार में व्यापक योगदान दिया, जिससे हर गतिविधि व्यवस्थित और यादगार बनी। वहीं, होमस्टेज ऑफ इंडिया ने प्रचार, ब्रांडिंग और आउटरीच में सहयोग किया इसके साथ ही स्थानीय मीडिया ने भी जम्बुरी के प्रचार प्रसार में विशेष सहयोग दिया है।

जशपुर जम्बुरी को सफल बनाने में जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों का विशेष योगदान दिया

है। जिसके कारण जशपुर जम्बुरी सफलता की ऊंचाई छू रहा है।

कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के दिशा निर्देश में 6 से 9 नवम्बर जशपुर जम्बुरी का संचालन किया गया।

तीसरे दिन की शुरुआत हुई देश देखा से, जहाँ प्रतिभागियों ने स्वादिष्ट स्थानीय नाश्ता किया और हल्की-फुल्की गतिविधियों के साथ दिन की शुरुआत की।

नाश्ते के बाद प्रतिभागियों ने रोमांचक रॉक क्लाइम्बिंग, जुमारिंग, रैपलिंग, जिपलाइनिंग और बोल्डरिंग जैसी गतिविधियों में भाग लिया, जिससे देश देखा जीवंत और उत्साहपूर्ण हो उठा।

पहला समूह रवाना हुआ मयाली की ओर, जहाँ उन्होंने कयाकिंग, एक्वा साइक्लिंग, एटीवी राइड्स, पेंटबॉल, पैरामोटरिंग और हॉट एयर बलूनिंग का आनंद लिया।

दूसरा समूह देश देखा से सारूडीह, रानीदाह और जशपुर संग्रहालय गया, जहाँ प्रतिभागियों ने जशपुर की सांस्कृतिक विरासत, कला और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव किया।

मधुमक्खी पालन का सात दिवसीय प्रशिक्षण

अम्बिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल के निर्देशन एवं विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एस.एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में, कृषि विज्ञान केन्द्र सरगुजा में नेशनल बीकीपिंग एंड हनी मिशन के अंतर्गत मधुमक्खी पालन विषय पर सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापपुर विधानसभा विधायक शकुंतला पोर्ते रहीं, जो ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों से जुड़ीं। उन्होंने बताया कि सरगुजा जिले में सरसों की फसल का रकबा अधिक होने के कारण यहाँ मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएँ हैं।

औषधीय पौधों की खोज यात्रा का आयोजन

उत्तर बस्तर कांकेर। कांकेर वनमण्डल के वन परिक्षेत्र कोरर अंतर्गत उप परिक्षेत्र हाटकर्रा के परिसर बनोली में बीएमसी समितियों का औषधीय पौधों की खोज यात्रा रखी गयी, जिसमें वन मंडलाधिकारी कांकेर रौनक गोयल, उप वनमंडलाधिकारी कोरर जसवीर सिंह मरावी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोरर बीएस सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

नेहल चुडासमा ने अमाल मलिक को कहा दोहरे चेहरे वाला

हाल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुई नेहल चुडासमा ने अपने साथी कंटेस्टेंट अमाल मलिक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अमाल मलिक को दोहरे चेहरे वाला बताया है। नेहल ने शो के दौरान संगीतकार-गायक अमाल मलिक के बारे में की गई अपनी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। बिग बॉस हाउस में रहते हुए उन्हें लगा था कि अमाल दोहरे व्यक्तित्व के इंसान हैं।

मॉडल और अभिनेत्री नेहल चुडासमा से जब पूछा गया कि क्या 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर निकलने के बाद अमाल मलिक के बारे में उनकी राय बदल गई है, तो नेहल ने कहा, मेरी राय लगभग वैसी ही है। घर के अंदर मैंने जो देखा, वह उनके स्वभाव को दर्शाता है। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं देखा, जिससे मुझे इसके विपरीत सोचने पर मजबूर होना पड़े।

शो में अपने सफर पर विचार करते हुए, नेहल ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि घर के अंदर उनके रिश्ते इतने चर्चित हो जाएंगे। नेहल ने कहा, बिल्कुल नहीं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरे निजी रिश्तों को इतना अटेंशन मिलेगा। अंदर जो कुछ भी हुआ वह स्वाभाविक था, कैमरों के लिए कुछ भी नहीं था।

जब उनसे इस दावे के बारे में पूछा गया कि बसीर अली के साथ उनके रिश्ते ने बशीर के खेल को प्रभावित किया, तो नेहल चुडासमा ने कहा, सच कहूं तो, मुझे नहीं लगता कि मेरी मौजूदगी ने उनका ध्यान भटकाया। हम दोनों ने अपना-अपना गेम खेला। लोगों को धारणाएं बनाना पसंद है, लेकिन हम अपनी प्राथमिकताएं अच्छी तरह जानते थे।

'बिग बॉस 19' के वीकेंड के वार में प्रणित मोरे, गौरव खन्ना, नेहल चुडासमा और बशीर अली को नॉमिनेट किया गया था। प्रणित और गौरव घर में अपनी जगह पक्की करने में कामयाब रहे, वहीं नेहल और बशीर को कम वोट मिलने के चलते शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया।

वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान होस्ट सलमान खान ने शो से उनके बाहर होने की घोषणा की।

मोनालिसा का हॉट देसी लुक, ब्लू साड़ी में गिराईं बिजलियां

डीपनेक ब्लाउज में कहर ढाती दिखीं हसीना

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने देसी लुक को लेकर चर्चा में हैं। मोनालिसा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो ब्लू साड़ी में कहर ढाती नजर आ रही हैं। जैसे ही ये फोटोज सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की झड़ी लगा दी। मोनालिसा का ये लुक पूरी तरह देसी और एलीगेंट है। उन्होंने ब्लू कलर की सिल्क साड़ी पहनी है, जिसके बॉर्डर पर पतली लेस और हल्के डिजाइन से इसे बेहद अट्रैक्टिव बनाया गया है।

साड़ी के साथ मोनालिसा ने डीपनेक ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर गदर काट रही हैं। जिसपर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन कर्ल्स में रखा है। साथ ही ग्लोसी मेकअप, मैचिंग झुमके, और माथे पर छोटी सी बिंदी उनके देसी अवतार को और भी निखार रही है। इस फोटोशूट की हर तस्वीर में मोनालिसा का कॉन्फिडेंस और चार्म साफ झलक रहा है।

मोनालिसा ने अपनी इन तस्वीरों के कैप्शन में कोई टेक्स्ट नहीं लिखा, बस कई सारे ब्लू हार्ट इमोजी लगाए। लेकिन उनके फैंस ने कैप्शन की कमी पूरी कर दी। कोई उन्हें देसी क्वीन कह रहा है, तो कोई ब्लू ब्यूटी बोलकर तारीफ कर रहा है।

बता दें कि मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं। इन दिनों वो टीवी की दुनिया में भी अपनी जगह बना चुकी हैं और कई पॉपुलर शोज में नजर आ चुकी हैं।

इसके अलावा, मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वो आए दिन अपने फैंस के साथ अपनी नई तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं, और फैंस को भी उनकी लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार रहता है।

बहरहाल, मोनालिसा की ये तस्वीरें पोस्ट होने के कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं, जिसपर फैंस के अबतक हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। इन तस्वीरों से एक बात तो साफ है, कि एक्ट्रेस हर बार अपने पोस्ट से फैंस का दिल जीत लेती हैं।

पति-पत्नीः अक्सर होने वाली तकरार से घबराएं नहीं

झगडा तो हर पति-पत्नी के बीच होता अगर इस बात को ले कर एकदूसरे बातचीत करना बंद कर दें या घर में कलह का माहौल बन जाए तो अवश्य ही रिश्ते में दरार आ सकती है। वैसे तो थोडी बहुत तकरार आम बात होती है। पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी तकरार होती ही रहती है। अगर यह न हो तो जीवन नीरस बन जाएगा। पतिपत्नी के बीच बिना किसी ठोस वजह के झगडा या तकरार हो या अपने साथी को आहत करना अथावा उस तकरार को संबंधों में कडवाहट लाने की वजह बनाना ठीक नहीं है। तकरार को कुछ देर बाद भूल जाएं या जिस की गलती हो वह गलती मान ले तो स्थिति सामान्य हो जाती है।

वैसे भी पतिपत्नी का रिश्ता ऐसा होता है कि चाहे कितना भी झगडा क्यों ना हो जाए, उन के बीच मनमुटाव बहूत देर तक कायम नहीं रह सकता है। झगडना एक स्वाभाविक प्रवृति है इसलिए कोई भी व्यक्ति इसे अछूता नहीं रह सकता है। पति पत्नी को बर्थडे विश करना भूल गया तो तकरार हो गई। पत्नी ने पति को सूट ड्राईक्लीन करा नहीं रखा तो तकरार या अगर वादा करके पति समय पर घर नहीं आया तो तकरार हो गई। यानी तकरा की अनगिनत वजहें हो सकती हैं। लेकिन तकरा इसलिए नहीं होती कि वे एकदूसरे को पसंद नहीं करते हैं, बल्कि इसलिए होती है, क्योंकि दोनों एकदूसरे को प्यार करते हैं।

जहां प्यार होता है, वहां अपेक्षाएं सहज ही पैदा हो जाती हैं और जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं तो आपस में लडाई हो ही जाती है, जो बहुत ही स्वाभाविक है। रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसा होता है कि अपनी आदतों व हरकतें से पति-पत्नी एक-दूसरे को चोट पहुंचाते है। किंतु इस चोट का दर्द स्थायी नहीं होता है और उन दौनों के बीच इस के बावजूद मधुरता बनी रहती है। रिश्ते में प्रगाढता और मधुरता बनाए रखने के लिए तकरार या झगडा होना नितांत आवश्यक है।

रिश्ते की मजबूती के लिए

जो युगल झगडा करते हैं उन का रिश्ता ज्यादा मजबूत होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जो युगल जोडे झगडे से बचने की कोशिश करते हैं,उन के बीच अलगाव होने की आशंका सब से ज्यादा होती है, क्योंकि वे कभी भी उन मुद्दो को सुलझाने की कोशिश नहीं करते हैं, जिन्हें सुलझाने की आवश्कता होती है। वे चुप रह कर जिन कुंठाओं को दबा देते हैं, बाद में वही ज्वाला बन कर फूटती है। समस्याएं उत्पन्न होने पर अगर वे 2 समझदार व्यक्तियों की तरह बात करें तो खाई पाटी जा सकती है।

जीवंतता का प्रतीक

अगर पतिपत्नी के बीच तकरार होती रहती है, तो इसे वैचारिक भिन्नता से ज्यादा इस बात की निशानी मानना चाहिए कि उन के बीच जुडाव बहुत अधिक है। झगडा संबंधों में जीवंतता का प्रतीक बरकरार है। वे चाहें कितना ही झगडे पर एकदूसरे से अलग नहीं हैं।

सचाई तो यह है कि कोई भी इंसान परफैक्ट नहीं होता है। कमी हर रिश्ते की तरह पतिपत्नी के रिश्ते में भी होती है। आपसी जुडाव तभी उत्पन्न होता है, जब एक साथी को यह पता हो कि दूसरा साथी क्या सोच रहा है या क्या महसूस कर रहा है। इस का अर्थ यह हुआ कि विचारों की भिन्नता को एकदूसरे के समक्ष लाना न कि चुप रह कर मन ही मन घुलते रहना। बोल कर, अपनी राय दे कर इस नतीजे पर पहुंचना कि क्या सही है और क्या गलत, एक स्वस्थ रिश्ते की निशानी है। बहस से बचने के चक्कर में अगर झगडा न किया जाए तो समस्या गंभीर बन सकती है और रिश्ते में दरार भी आ सकती है।

स्वास्थ्यवर्धक

झगडा स्वास्थ्यवर्धक भी होता है और अगर उसका ठीक तरह से उपयोग किया जाए तो वह रिश्ते को पुख्ता करने और ऊर्जावान बनाने में भी सहायक होता है। पर इस का अर्थ यह नहीं कि जब भी आप को लगे कि रिश्ते में गरमाहट की कमी हो रही है, आप झगडा करने लगें। पति-पत्नी का संबंध ऐसा होता है कि उन के बीच कोई भी विवाद बहुत लंबे समय तक चल ही नहीं सकता है। इसलिए अगर तकरार हो भी गई तो उसे तूल न दें और न ही यह उम्मीद रखें कि साथी से माफी मांग लें। इस से आप किसी भी तरह से उस की नजरों में छोटे नहीं होंगे, बल्कि आप की पहल आप के संबंधों को और प्रगाढता देगी।

सेहतः मच्छरों से रहें सावधान

बारिश के बाद जगह-जगह सड़कों, गलियों, छतों पर रखे बर्तनों आदि में पानी भर जाता है. इस पानी में मच्छरों का लारवा जन्म लेता है. जल्द ही मच्छर पैदा होने लगते हैं. मच्छर के काटने से भयंकर बीमारियां होती हैं. कुछ मच्छर जनित बीमारियां ऐसी होती हैं, जिनके लक्षण जल्दी दिखाई नहीं देते, कुछ समय बाद दिखाई देते हैं. तब तक बीमारी अधिक बढ़ चुकी होती है. मच्छर दिखने में छोटा-सा होता है, लेकिन यह छोटा-सा जीव आपकी जान ले सकता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लाखों लोगों की मौत मच्छर के काटने से होती है. मच्छर जनित बीमारियां संक्रमण से फैलती हैं. इसलिए इनसे बचना और सावधानी बरतना दोनों ही आवश्यक है. आइए जानते हैं मच्छर के काटने से कौन-सी बीमारियां होती हैं. और इनसे कैसे बचा जा सकता है.

मलेरिया : मलेरिया खराब उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक तेजी से फैल रहा है. इन क्षेत्रों में यह बच्चों और गर्भवती महिलाओं को अधिक प्रभावित कर रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक वर्ष 2015 में सिर्फ मलेरिया से चार लाख अड़तीस हजार मौतें हुईं. मलेरिया प्लाजमोडियम परजीवी द्वारा फैलता और एनोफिलेस मच्छर के काटने से होता है. प्लाजमोडियम परजीवी लाल रक्त कोशिकाओं पर असर डालता है. मलेरिया होने पर बुखार, सिर दर्द और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. अगर समय रहते इसका इलाज नहीं कराया गया तो जानलेवा हो सकता है.

चिकनगुनिया : चिकनगुनिया एक विषाणुजनित बीमारी है, जो कि संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है. इसके कारण सिर दर्द, जोड़ों में दर्द और तेज बुखार की समस्या झेलनी पड़ती है. चिकनगुनिया इतना खतरनाक होता है कि जिसे यह होता है उसके शरीर में लंबे समय तक दर्द बना रहता है. इस बीमारी का विशेष इलाज नहीं है. चिकनगुनिया से पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टर व्यायाम और तरल पदार्थ लेने की सलाह देते हैं. **डेंगू बुखार :** डेंगू बुखार वायरस के कारण फैलता है. यह मादा मच्छर एडीज के काटने से होता है. तेज बुखार, सिर दर्द, जोड़ों तथा हड्डियों में दर्द और नाक तथा मसूड़ों से रक्तस्त्राव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. इसे हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं.

जीका वायरस : जीका वायरस तेजी से फैलने वाला विषाणु है. यह संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से होता है. इसके लक्षणों में हल्का बुखार, जोड़ों में दर्द, शरीर पर चकत्ते पड़ना दिखाई देते हैं. हालांकि इस वायरस की रुकावट के लिए टीका नहीं बना है. शुरुआत में यह दक्षिण अफ्रिका में अधिक फैला, अब धीरे-धीरे पूरे विश्व में फैल रहा है।

तेल मालिश के हैं फायदे अनेक

बालों में आजकल कैमिकल युक्त उत्पादों का इतना ज्यादा प्रयोग किया जाता है कि वे कमजोर हो जाते हैं और शाइन नहीं करते. ऐसे में अगर बालों को स्वस्थ व मजबूत बनाए रखने के लिए तेल लगाने का सुझाव दिया जाए तो जवाब मिलता है कि तेल तो दादीनानी के जमाने में लगाया जाता था. अब भला कौन तेल लगाता है।

मगर क्या आप को पता है कि तेल बालों को घना बनाता है, उन में चमक लाता है? यही नहीं, स्कैल्प को सूखा भी नहीं होने देता और त्वचा को बैक्टीरिया और फंगल इन्फैक्शन से भी दूर रखता है। यानी तेल से बालों को पौष्टिक तत्त्व मिलते हैं। इसलिए अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय निकाल कर बालों की तेल से मालिश जरूर करें। नियमित रूप से अगर बालों में तेल से मालिश की जाए, तो इस के अनेक फायदे होते हैं। मसलन: अगर बालों की जड़ें सूखी हैं तो तेल की मालिश उन्हें ताकत देती है और नए बाल निकलने में मदद करती है।

■तेल बालों को टूटने व उलझने से रोकता है, साथ ही तेल से सिर की मालिश करने से सिर का रक्तसंचार सुचारु रहता है।

■बालों में सही मात्रा में तेल न लगाने से बाल दोमुंहे होने लगते हैं। पर्याप्त तेल लगाने से यह समस्या दूर हो जाती है।

■मालिश से न केवल बाल स्वस्थ होते हैं, बल्कि शरीर को भी लाभ पहुंचता है। रात को अच्छी नींद आती है। दिमाग भी शांत होता है।

■तेल से बालों में नमी आती है। वे मुलायम व चमकदार बनते हैं। जब भी बालों में तेल लगाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि एक ही बार में पूरे बालों में तेल न लगाएं वरन सैक्शन बना कर तेल लगाएं। ऐसा करने से तेल स्कैल्प तक अच्छी तरह पहुंचता है।

■बालों और सिर की त्वचा के लिए हौट स्टीम बाथ लेना भी फायदेमंद होता है। गरम तेल से सिर की त्वचा की मसाज करें और इस के बाद कुनकुने पानी से भीगे तौलिए को कुछ मिनट के लिए सिर पर लपेटें। ऐसा करने से सिर की त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं और बाल चमकदार बनते हैं।

■तेल बालों की ग्रोथ के लिए जरूरी है। इस की मालिश से आप के सिर की कोशिकाएं काफी सक्रिय हो जाती हैं, जिस से बाल जल्दी लंबे होते हैं।

■अगर आप की घने और सिल्की बालों की चाह है तो सरसों के तेल में दही मिला कर लगाएं। इस से बाल बढ़ेंगे भी और घने भी होंगे।

■रात में सोने से पहले या फिर हफ्ते में कम से कम 2 बार सिर की मालिश जरूर करें। इस से बालों को तो पोषण मिलता ही है, तनाव भी कम होता है।

आज मार्केट में कई तरह के खुशबूदार तेल उपलब्ध हैं। उन से दूर रहें। प्राकृतिक तेल से ही मालिश करें। सिर की मसाज के लिए जैतून का तेल, नारियल तेल, तिल का तेल, बादाम तेल, भृंगराज तेल, नीम का तेल, जोजोबा, चमेली व पेपरमिंट तेल और मेहंदी का तेल आदि अच्छे विकल्प हैं। यदि आप नियिमित हेयरकलर कराती हैं तो जोजोबा का तेल आप के लिए बेहतरीन विकल्प है। इस से क्षतिग्रस्त रंगीन और रूखे बालों की रिपेयर होती है। **नौर्मल हेयर:** इस तरह के बालों की कुदरती चमक बनाए रखने के लिए इन की आंवले या बादाम के तेल से मसाज करें।

ड्राई हेयर: रूखे बालों के लिए नारियल, तिल, सरसों और बादाम का तेल उपयुक्त है। सप्ताह में एक बार नारियल के दूध से बालों को धोना भी फायदेमंद है।

ऑयली हेयर: एक खास तरह का सीबम निकलने की वजह से बाल तैलीय दिखते हैं।

बेडरूम सजाते वक्त न करें गलतियां

बिखरा हुआ और ज्यादा भरा हुआ बेडरूम किसी को पसंद नहीं आता. बेडरूम में आप दिन भर की थकान मिटाने के लिए और कुछ खास पल बिताने जाती हैं. ऐसे में भरा-पूरा बेडरूम बिल्कुल सही नहीं है. बेडरूम को अलग ढंग से सजाया जाता है. पर अगर सजाते वक्त कुछ गलतियां हो जाए तो किए कराए पर पानी फिर जाता है।

पुरानी तस्वीरें या पोस्टर

पुरानी तस्वीरें यादें तरोताजा तो करती हैं, पर अधिक तस्वीरों से भी कमरा ओवरक्राउडेड लगता है। इसलिए कमरे में 1-2 से अधिक पुरानी तस्वीरें न लगायें। इसके साथ ही अगर आपके बेडरूम मे आदम जमाने के पोस्टर हैं तो उन्हें भी बदल डालें। याद रखें कि बदलाव हमेशा अच्छा ही होता है।

बिखरा टेबल

बेडरूम में रखे टेबल पर अगर जरूरत से ज्यादा सामान है, तो उसे भी अरेंज करिए। सोने और काम करने की जगहों में अंतर होना चाहिए। काम काज की चीजों को स्टडी रूम में रखें। अगर घर में जगह कम है, तो जरूरी कागजातों के लिए एक अलग अलमारी की व्यवस्था करें। अगर इसके बाद भी काम काज को सोने के कमरे में लाना है तो टेबल को व्यवस्थित रखें, फैला कर नहीं।

वार्डरोब में न हो कपड़ों का पहाड़

अपनी अलमारी खोलते ही अगर आपके सर पर कपड़ों का पहाड़ गिरे, तो आपको अपने वार्डरोब को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। कपड़ों को उनके इस्तेमाल के हिसाब से ही व्यवस्थित करें। जिन कपड़ों को आप ज्यादा नहीं पहनती उन्हें अलग रखें। कपड़ों को खास मौकों के हिसाब से अलग अलग कर के रखें।

सोफ्ट टॉय

सोफ्ट टॉय क्यूट होते हैं। पर एक टाइम के बाद उनके साथ खेलना कम कर देना चाहिए। ये आपके बिस्तर पर एक्सट्रा जगह भी ले लेते हैं।

पुरानी चादरें

पुरानी, गंदी चादरों को तुरंत बदल डालें। नई, धुली हुई चादरों पर आराम करने का मजा ही कुछ और होता है। जब बेडरूम आपका है, तो उसकी डिजाइन भी आप ही के अनुसार होनी चाहिए। आपको जिन चीजों से खुशी मिलती है, उन्हें अपने बेडरूम में जगह दें।

शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र की उन्नति का मुख्य आधार : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र की उन्नति का मुख्य आधार है। इसलिए हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि आने वाली पीढ़ी को उच्च शिक्षित और ज्ञानवान बनाएं। मुख्यमंत्री साय ने बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम संबलपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश कोसरिया मरार समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शाकंभरी महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने सर्वप्रथम शाकंभरी माता, भगवान श्रीराम, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने कोसरिया मरार समाज को धरती माता की सेवा करने वाला मेहनतकश समाज बताते हुए समाज के कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कोसरिया मरार समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शाकंभरी महोत्सव को समाज का महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए इसकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वजातीय जनों के बीच मेल-मिलाप और एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह की भी सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल अनावश्यक खर्च को रोकते हैं, बल्कि समाज के कमजोर तबके को आर्थिक संबल भी प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने समाज एवं राष्ट्र के विकास में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल शासकीय सेवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने समाज के सभी परिवारों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की समुचित शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने नशा को समाज की अवनति का प्रमुख कारण बताते हुए समाज के लोगों से नशापान से सर्वथा दूर रहने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सभी समाजों की प्रगति ही छत्तीसगढ़ राज्य एवं देश की प्रगति का आधार है। मरार समाज की उन्नति में ही प्रदेश की उन्नति निहित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज का यह आयोजन निश्चित रूप से कोसरिया मरार समाज की एकता और प्रगति को नई दिशा देगा। श्री साय ने कहा कि मरार समाज खेती-किसानी और सब्ज़ी उत्पादन के माध्यम से न केवल समाज के सभी वर्गों की सेवा कर रहा है, बल्कि राज्य और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अन्नदाता किसानों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए प्रति क्विंटल 3100 रुपए की दर से धान खरीदी कर रही है। साथ ही राज्य में सिंचाई के रकबे में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में पशुपालन को प्रोत्साहित करने तथा दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन में वृद्धि हेतु भी ठोस व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कोसरिया मरार समाज द्वारा प्रकाशित युवक-युवती परिचय माला पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने शाकंभरी महोत्सव के दौरान आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में परिणय-सूत्र में बंधने वाले नव-दंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उन्हें सुखी एवं सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएँ दीं। समारोह में संजारी-बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज प्रमुख उपस्थित थे।

चिकित्सकों के लिए मानव स्वास्थ्य सेवा से बढ़कर कोई खुशी और आनंद नहीं - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने संक्षिप्त एक दिवसीय प्रवास के दौरान स्व बलिराम स्मृति मेडिकल कॉलेज के चरक सभागार में मेडिकल कॉलेज के अध्ययनरत चिकित्सकों से संवाद करते हुए कहा कि सुरक्षा कैंपों के समीप संवेदनशील ग्रामों में मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर एक नई पहल है, जो चिकित्सकों को बस्तर क्षेत्र की जनता से जुड़ने के साथ एक अनोखा अनुभव प्राप्त करने का अवसर है।

हमारे सुझाव को स्वीकार कर कालेज के डीन और उनकी टीम के द्वारा संवेदनशील ग्रामों में एक-दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया इसके लिए बधाई। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा देने में जो खुशी-आनंद की अनुभूति होगी,ओ पैसा से नहीं खरीदी जा सकती है। यहां चिकित्सकों के अलावा रायपुर के बड़े बड़े चिकित्सकों ने बस्तर संभाग के जिलों में आकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। कालेज में तैयार हो रहे नए चिकित्सक भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अपना मनोभाव जरूर बनाएं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए 18 सदस्यों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्य की सराहना की। साथ ही कालेज में अध्ययनरत बस्तर संभाग के चिकित्सकों से भी उनके जिले की जानकारी के साथ परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि सरकार द्वारा बस्तर में शांति बहाली के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा जनता के बीच बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने की संवेदनशील ग्रामों में मेडिकल शिविर आयोजित करना भी एक नई पहल का स्वागत है। बस्तर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों का दल जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया उन्हें बहुत बहुत बधाई। बस्तर जैसे प्राकृतिक सुंदरता वाले इलाके में कला, संस्कृति को जानने-समझने के साथ चिकित्सा सेवा देना एक बेहतरीन अवसर मिला। इस प्रकार के कार्यक्रम में सभी चिकित्सकों को जाना चाहिए, इसका बहुत अच्छा प्रभाव क्षेत्र की जनता को मिलेगा। कार्यक्रम में आई जी श्री सुन्दरराज पी. ने भी चिकित्सकों को बधाई देते हुए आगे की कार्ययोजना पर स्वास्थ्य टीम, मेडिकल कालेज की टीम से चर्चा कर संवेदनशील क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही। कार्यक्रम में विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, कमिश्नर डोमन सिंह, कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिंहा, डीन डॉ प्रदीप बेक, अस्पताल अधीक्षक डॉ अनुरूप साहू सहित अध्ययनरत चिकित्सक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक विविधता के अध्ययन के लिए देशभर से आए प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारनवापारा अभ्यारण्य में तीन दिवसीय बटर फ्लाई एंड मॉथ सर्वे 2025 का आयोजन 6 से 8 नवम्बर तक किया गया। सर्वेक्षण में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 42 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को विभिन्न टीमों में विभाजित कर अभयारण्य के विभिन्न हिस्सों जैसे घने वनों, घास के मैदानों, जलस्रोतों के आसपास और ग्रामीण सीमाओं में तितलियों और मॉथ की विविधता का अध्ययन कराया गया।

सर्वे की शुरुआत 6 नवम्बर की दोपहर परिचय सत्र से हुई, जहाँ प्रतिभागियों को बारनवापारा अभ्यारण्य की जैव विविधता, संरक्षण कार्यों एवं इतिहास की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी को बार पर्यटन ग्राम का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने बार म्यूज़ियम, हेरिटेज स्टे होम्स और रेस्ट हाउस का अवलोकन किया।

शाम को एक विशेष छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों को स्थानीय परंपराओं, लोककला और संस्कृति से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

7 नवम्बर की सुबह और शाम को सभी प्रतिभागियों को अलग-अलग बटरफ्लाई सर्वे ट्रेल्स पर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने विभिन्न तितली प्रजातियों की पहचान, उनके व्यवहार और आवासों का अध्ययन किया। इसी के साथ रात्रि को मॉथ सर्वे आयोजित किया गया जो वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से प्रतिभागियों को पुनः सर्वे ट्रेल पर ले जाया गया, जहाँ उन्होंने तितलियों की विविधता का अवलोकन किया और अपने डेटा को अंतिम रूप दिया। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं वालंटियर्स को प्रमाण पत्र और पौधे स्मृति स्वरूप भेंट किए गए। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार गणवीर धम्मशील ने सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों, वालंटियर्स एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

सुरक्षा कैम्पों से बढ़ा विश्वास, विकास की रफ्तार में आई तेजी : उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अपने बीजापुर जिले के दो दिवसीय प्रवास के दौरान इन्द्रावती सभाकक्ष में नक्सल उन्मूलन एवं अंदरूनी क्षेत्रों में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने नक्सल उन्मूलन की गतिविधियों, नवस्थापित सुरक्षा कैम्पों की स्थिति, उनके संचालन से आए सकारात्मक सामाजिक बदलावों तथा उन क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने पिछले दो वर्षों में नक्सली गतिविधियों में आई कमी, पुनर्वासन करने वाले युवाओं की संख्या, गिरफ्तारियाँ, आईईडी बरामदगी, तथा हथियारों की जब्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के बाद दूरस्थ इलाकों में प्रशासनिक पहुंच बढ़ी है और आम जनता में सुरक्षा के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

उपमुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी, सड़क, बिजली, पेयजल और संचार सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों की भी समीक्षा की। कलेक्टर संबित मिश्रा ने बताया कि सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के बाद 166 गांव अब नियद नेल्ला नार योजना में शामिल किए गए हैं, जिसके तहत सभी बुनियादी सुविधाएं और शासन की योजनाएं पहुंचाने का कार्य योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

श्री शर्मा ने भैरमगढ़ ब्लॉक के नदी पार सात गांवों में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप की सराहना की और कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को और व्यापक स्तर पर पहुंचाने की दिशा में नई योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन्द्रावती नदी किनारे बसे पंचायतों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए मोटर बोट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, प्रत्येक गांव में आशा एवं मितानिन कार्यकर्ता की नियुक्ति शीघ्र करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत चिन्हांकित सभी गांवों में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वनाधिकार पत्र प्रत्येक पात्र हितग्राही को जल्द प्रदान किए जाएं। इसके लिए पूर्व में स्थापित सुरक्षा कैम्पों वाले सभी गांवों में नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर वितरण सुनिश्चित करने को कहा।

श्री शर्मा ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए लघु वनोपज के संग्रहण, प्रसंस्करण एवं वैल्यू एडिशन पर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने महुआ, टोरा, इमली, चिरौंजी जैसी स्थानीय वनोपजों का वैज्ञानिक संग्रहण एवं प्रसंस्करण कर वैल्यू एडिशन आधारित आयवृद्धि मॉडल लागू करने के निर्देश दिए।

बस्तर ओलंपिकः कांकेर में जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 14 तक

कांकेर। बस्तर ओलंपिक का जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 14 नवम्बर तक कांकेर स्थित शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। उक्त प्रतियोगिता में तीरंदाजी प्रतियोगिता शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर कांकेर में आयोजित होगी, शेष सभी प्रतियोगिताएं नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने अधिकारियों की बैठक लेकर जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनके द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को जिला मुख्यालय तक लाने के लिए खुली वाहनों का उपयोग नहीं करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया, साथ ही भोजन, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

फसल चक्र परिवर्तन से किसानों की आमदनी में होगा इजाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में किसानों की आमदनी बढ़ाने और कृषि में लागत कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले में भूमि एवं जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से फसल चक्र परिवर्तन अभियान को गति दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कृषि विभाग एवं संबंधित विभागों के समन्वय से किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहनी, तिलहनी, लघु धान्य एवं मक्का जैसी कम जल की जरूरत वाली फसलों की खेती हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

धमतरी जिले में करीब 1 लाख 58 हजार 180 कृषक हैं, जो कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। जिले में मुख्य सिंचाई का साधन नहरें हैं। साथ ही करीब 30 हजार नलकूपों से भूमिगत जल का उपयोग भी किया जाता है। इससे जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा किसानों के बीच जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमतरी जिले के अधिकारियों एवं मैदानी अमलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 10 गांवों में शत-प्रतिशत फसल चक्र परिवर्तन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि धान के स्थान पर दलहनी, तिलहनी व मक्का फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा।

इस पहल के अंतर्गत ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव पारित कर फसल चक्र परिवर्तन को संधारित करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग को गांव-गांव में जागरूकता शिविर, ऋण एवं बीज वितरण शिविर आयोजित करने कहा गया है, ताकि किसान विभागीय योजनाओं की जानकारी लेकर लाभ उठा सकें। फसल चक्र परिवर्तन को प्रोत्साहन देने हेतु जिले की 39 प्राथमिक साख सहकारी समितियों में बीजों की पर्याप्त भण्डारण की व्यवस्था की गई है।

वर्ल्ड कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। यहीं की मिट्टी, यहां के लोग, यहां की शिक्षा और संस्कारों ने मुझे यह मुकाम हासिल करने की ताकत दी है। यह कहना था विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी का, जिन्होंने मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात कर अपनी खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री साय ने आकांक्षा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपकी सफलता पूरे छत्तीसगढ़ की सफलता है। महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप अभियान में छत्तीसगढ़ की बेटी के शामिल होने से प्रदेशवासियों को यह महसूस हुआ कि हम सभी इस जीत में सहभागी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को मेडल पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आकांक्षा सत्यवंशी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि आपने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आपकी सफलता आने वाली पीढ़ियों की बेटियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, शिक्षा और कौशल विकास के अवसरों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि और भी युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल अलंकरण सम्मान को पुनः प्रारंभ कर रही है। साथ ही, ओलंपिक में शामिल होने वाले और पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सुदूर अंचलों की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए 'बस्तर ओलंपिक' जैसे आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य अपने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिसके लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी ने मुख्यमंत्री के साथ इस ऐतिहासिक जीत की खुशी साझा करते हुए कहा, वर्ल्ड कप जीतना भारतीय महिला टीम की सफलता के साथ ही छत्तीसगढ़ का भी सम्मान है। मुझे गर्व है कि मैं अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए इस जीत में योगदान दे पाई। उन्होंने बताया कि यद्यपि वे मैदान में सक्रिय खिलाड़ी के रूप में नहीं थीं, लेकिन खिलाड़ियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, फिटनेस और रिकवरी को बनाए रखने की जिम्मेदारी उनकी रही। मैं अपनी टीम के साथ हमेशा चट्टान की तरह खड़ी रही। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं टीम को जीत तक पहुंचाने की यात्रा में साथ रही।

आकांक्षा ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य सच्चा हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता — बस ज़रूरत है निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास की। इस अवसर पर आकांक्षा ने मुख्यमंत्री को भारतीय महिला टीम की जर्सी भेंट की और वर्ल्ड कप अभियान की कुछ रोचक यादें साझा कीं। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वर्ल्ड कप जीत में छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी बतौर फिजियोथेरेपिस्ट और स्पोर्ट्स साइंस विशेषज्ञ टीम के साथ रहीं और खिलाड़ियों की फिटनेस व मानसिक मजबूती को बनाए रखने में अहम योगदान दिया। आकांक्षा सत्यवंशी ने बतौर फिजियोथेरेपिस्ट और स्पोर्ट्स साइंस एक्सपर्ट, भारतीय टीम का हिस्सा बनकर खिलाड़ियों की फिटनेस, रिकवरी और प्रदर्शन को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस उपलब्धि को देखते हुए मुख्यमंत्री साय ने आकांक्षा को 10 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान करने की घोषणा की है। दुर्ग में जन्मी आकांक्षा का परिवार रायपुर में निवासरत है।

नियमित दिनचर्या, संयमित खानपान और योग-फिट रहने का मंत्र

फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा ने मुख्यमंत्री के साथ खिलाड़ियों की फिटनेस पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ महिला क्रिकेट टीम की मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा कहते हंत कि खेल जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए, और यह हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। फिटनेस को लेकर उनकी सीख हर किसी को स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। आकांक्षा ने मुख्यमंत्री से उनके फिटनेस का रहस्य पूछा, जिस पर मुख्यमंत्री साय ने कहा — हम सभी प्रधानमंत्री से प्रेरित हैं। उनकी सक्रियता, ऊर्जा और अनुशासन से हम सीखते हैं। संतुलित आहार, योग और नियमित दिनचर्या ही फिट रहने का मेरा मंत्र है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गड्ढे में डूबने से 2 बच्चों की मौत, प्राइवेट बिल्डर पर निकाला गुस्सा

रायपुर। रायपुर में सरकारी स्कूल के पास सड़क किनारे बने पानी से भरे गड्ढे में गिरकर दो बच्चों की मौत हो गई। गड्ढा गहरा होने के कारण दोनों बच्चे बाहर नहीं निकल पाए और डूबने से उनकी मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चों को पानी में देखा, तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस गड्ढे को प्राइवेट बिल्डर ने खुदवाया था, लेकिन उसे भरा नहीं गया। गुस्साए परिजनों चक्काजाम कर दिया है। घटना कबीर नगर थाना क्षेत्र के हीरापुर की है। ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने हीरापुर-जरवाय रोड पर चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों का कहना था कि खुले गड्ढे की शिकायत कई बार की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रामानुजगंज बस स्टैंड के पास एक ही रात में तीन जगहों पर चोरी

रामानुजगंज। नगर के सबसे व्यस्त इलाके बस स्टैंड में बीती रात चोरों ने धावा बोलकर तीन दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना रामानुजगंज थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड स्थित संतोष होटल में अज्ञात चोरों ने एक पेटी रिफाइंड तेल, मिठाइयां तथा लगभग 5000 नगद चोरी कर लिया। वहीं, होटल के बगल में स्थित रजाई दुकान से चोरों ने 13000 नगद एवं करीब 30000 मूल्य के गद्दे, तकिए और कम्बल चोरी कर लिए। दुकान संचालक अहमद मंसूरी ने बताया कि चोर दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया। इसी दौरान, पास ही स्थित ग्राहक सेवा केंद्र में भी चोरी का प्रयास किया गया। चोरों ने पीछे की ओर से गड्ढा खोदकर अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके अलावा, लिटिल फ्लावर स्कूल में भी चोरी की एक और घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने दराज का ताला तोड़कर 15000 नगद चोरी कर लिए। सुबह सफाई कर्मी ने ताला टूटा देखा तो स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से रात्रि गश्त को सख्त करने एवं चोरों को शीघ्र पकड़ने की मांग की है।

लेन देन के विवाद में हुई थी सराफा लाइन में हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोतवाली थाना क्षेत्र के सराफा लाइन में शनिवार तड़के मिली खून से लथपथ लाश का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक दो नहीं बल्कि पूरे 10 लोगों को आरोपी बनाया है। पुलिस से सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ब्याज के पैसों का लेनदेन हत्या का कारण बताया जा रहा है।

10 आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

बता दें शनिवार तड़के लगभग 3 बजे सराफा लाइन दुर्ग में खून से लथपथ लाश मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त संतोष आचार्य के रूप में की। वह शीतला नगर में रहता था और सोना चादी एवं ब्याज पर रूपये देने का काम करता था। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस को मृतक की पत्नी वी रानी सोनी ने बताया कि दादू सोनी नाम के व्यक्ति को उसके पति ने कुछ रुपए दिए थे जो काफी दिनों से वापस नहीं कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था।

शुक्रवार 7 नवंबर को संतोष आचार्य ने उसकी पत्नी रानी को करीब 3- 4 बजे प्रार्थिया के पति ने फोन कर बताया कि दादू सोनी से पैसा मांगने की बात पर विवाद हो गया है। दादू सोनी का लड़का अपने साथी को लेकर इसी बात को लेकर वाद विवाद किया है। इसके बाद शनिवार सुबह करीब 07.00 बजे अस्पताल से फोन आया कि संतोष आचारी की हत्या हो गई है।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना दुर्ग में अपराध क्रमांक 567/2025 धारा 103(1),331(8),111(2)(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबंध्द कर विवेचना में लिया गया।

कई दिनों से चल रहा था विवाद

मामले की विवेचना के दौरान आरोपियों की पतासाजी कर आरोपी दादू सोनी एवं अन्य आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताये कि संतोष आचारी से पैसे की लेन देन की बात को लेकर काफी दिनों से उसके साथ विवाद चल रहा था। दोनों के बीच पुरानी दुश्मनी थी। 7 नवंबर को पुरानी बात को लेकर वाद विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर इसका पुत्र तरूण सोनी काफी गुस्सा होकर अपने दोस्त अनिल यादव, मनीष सोनी, हीरा सोनी, अमन तिवारी, राहुल ढीमर, योगेश ठाकुर, श्यामू , धन्नू सेन, अर्पित शर्मा, वी शिवा व चैतराम सोनी उर्फ दादू सभी एक राय होकर सभी संतोष आचार्य की हत्या करने की नियत से उसके घर के दरवाजे को तोड़ कर डंडा तथा हाथ मुक्का से मारपीट किए। अचेत होने पर मरा हुआ समझ कर ये सभी भाग गये। आरोपियों से घटना प्रयुक्त सामग्री जब्त की गई। उन्हें गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है।

धनंजय ज्वेलर्स चोरी मामले में 8 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर पुलिस ने सात दिन में किया खुलासा

बलरामपुर। दहेजवार चौक स्थित धनंजय ज्वेलर्स में 30-31 अक्टूबर 2025 की रात हुई बड़ी चोरी का बलरामपुर पुलिस ने मात्र 7 दिनों में पर्दाफाश कर दिया है। इस प्रकरण में 4 शातिर चोरों सहित चोरी का माल खरीदने वाले 4 सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोना 234 ग्राम, चाँदी 12 किलोग्राम, नगद 3.50 लाख रुपये, दो मोटरसाइकिल, एक स्कूटी, दो सेकंड हैंड आईफोन सहित करीब 50 लाख की संपत्ति बरामद की है। घटना की सूचना पर थाना कोतवाली बलरामपुर में कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक झा के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम गठित की गई। टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी व स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की। मुख्य आरोपी शिव कुमार लांजा राम (18 वर्ष), सूरज सिंह (19 वर्ष), वेद सिंह (21 वर्ष) एवं सूर्या गिरी को सीतापुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकारते हुए बताया कि उन्होंने चोरी किए गए जेवरात को राजेश अग्रवाल , बादल दास , अजीत (25 वर्ष) एवं अंबिकापुर निवासी रोशन सोनी (24 वर्ष) संचालक स्वर्ण महल ज्वेलर्स को बेचा था। रोशन सोनी द्वारा चोरी किए गए सोने-चांदी को गलाकर अंबिकापुर के अन्य ज्वेलर्स को बेचा गया था। पुलिस ने सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि यही गिरोह 22 अक्टूबर 2025 को सूरजपुर के एक ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी में भी शामिल था। एक आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

बलरामपुर पुलिस की यह कार्रवाई उसकी सतर्कता, तकनीकी दक्षता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सरप्राइज देने के बहाने छठवीं के छात्र को मारा चाकू, दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ति। जिले के हसौद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालक 6वीं के छात्र के गले पर चाकू से 2-3 बार हमला कर और हाथ मुक्के से मारपीट के दो आरोपी गोकुल साहू 19 वर्ष, बादल सागर उर्फ शशी सागर 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे से चाकू को बरामद कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। नाबालिग बालक के माता द्रौपदी साहू ने 8 नवंबर को हसौद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी मेरा नाबालिग पुत्र सरस्वती शिशु मंदिर में 6 वीं कक्षा में पढ़ाई करता है सुबह स्कूल गया हुआ था जहां दोपहर में छूटी होने के बाद घर वापस आ रहा था तभी हसौद के नकटा पार तालाब के पास गोकुल और बादल ने रुकवाकर तुम्हारे लिए सप्राइज होने की बात कही और आंखें बंद करने को कहा जिसपर आंख बंद करने के बाद गोकुल साहू ने अपने पास रखे चाकू नुमा हथियार से दो- तीन बार गला एवं हाथ में हमला किया और बादल ने पीछे से पकड़कर हाथ मुक्के से मारपीट की है।

जांच के बाद आरोपी गोकुल साहू और बादल सागर जोकि भागने की फिराक में थे को हसौद पुलिस हिरासत में लिया। घटना के संबंध में पूछने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

आरोपियों के कब्जे से सफेद रंग की प्लास्टिक की मूठ वाली चाकू को बरामद कर आर्म एक्ट की धारा जोड़ी गई जिसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सड़क हादसे में बालोद के शिक्षक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक सड़क हादसे में बालोद के शिक्षक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हल्दी निवासी विजय कुमार साहू शनिवार शाम अपने नए घर बोरसी लौट रहे थे। वे हल्दी से गैस सिलेंडर लेकर स्कूटी से लौटते वक्त शाम करीब 4.30 बजे पुलगांव थाना क्षेत्र के कोनारी और कुथरेल के बीच पहुंचे थे, तभी पीछे से एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विजय कुमार साहू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद दोपहर 2 बजे ग्राम हल्दी में अंतिम संस्कार किया गया। ग्राम हल्दी के निवासी हरदेव लाल सार्वा ने बताया कि विजय कुमार साहू मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। वे निपानी स्थित कन्या हाईस्कूल में व्याख्याता के रूप में पदस्थ थे। करीब चार महीने पहले ही वे अपने परिवार के साथ बोरसी (दुर्ग) के नए घर में शिफ्ट हुए थे। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की पत्नी भी ग्राम माहुद में शिक्षिका हैं। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं पुलगांव पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेंधमारी करने वाले बांग्लादेशी नागरिक पकड़ाए, 20 लाख का सामान बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर एक दिन पहले मुंबई से भागकर पहुंचा बांग्लादेशी नागरिक पकड़ाया था। उसके खिलाफ मुंबई में अपराधिक मामला दर्ज था। मुंबई पुलिस दुर्ग पहुंची और उसे अपने साथ ले गई। अब ताजा मामले में बस्तर पुलिस ने जगदलपुर में दो बांग्लादेशी चोरों को गिरफ्तार किया है। यह दोनों चोर फेरीवाला बनकर पहले रेकी करते और सूना मकान देखकर उसमें सेंधमारी करते थे। इन चोरों के पास से फर्जी वोटर आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है।, वही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से एक मोटरसाइकिल व सोने चांदी के आभूषण के साथ ही नगदी रकम भी बरामद किया है।

इस मामले का खुलासा करते हुए बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बताया कि बांग्लादेशी युवक आरोपी आबुर शेख उर्फ बाबू शेख उर्फशेख समीर निवासी बांग्लोदश हाल निवास सासाहांडी कोरापुट उड़ीसा व बबलू चंद्र दास निवासी बांग्लादेश वर्तमान पता पतिराम दिनाजपुर पश्चिम बंगाल हाल पता सासाहांडी कोरापुट उड़ीसा के द्वारा फर्जी वोटर आईडी कार्ड बनाने के बाद ओड़िसा के सासाहांडी में किराए के मकान में रह रहे थे।

इनके द्वारा बस्तर जिले के सनसिटी, धरमपुरा,महावीर नगर, धरमपुरा, कंगोली, नाईकगुड़ा बस्तर, बोथघाट थाना क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था।

मोटरसाइकिल से पहले रेकी करते थे

एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि यह दोनों मोटरसाइकिल में मोहल्ले मोहल्ले घूम घूम कर पहले रेकी करते थे, उसके बाद रात को चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे, इन आरोपी में आबुर शेख उर्फ बाबू शेख उर्फशेख समीर पहले भी इसी तरह कांकेर जिले में चोरी के मामले में जेल में रह चुका है, आरोपी के द्वारा पकड़े जाने के बाद अपना मूलत: पता बांग्लादेश बताया। इन आरोपियों ने बताया कि ओड़िसा से रात को जगदलपुर आने के बाद सुने मकानों में इन घटनाओं को अंजाम देने के बाद वापस ओड़िसा में जाकर छिप जाते थे। पुलिस ने अपने सायबर नेटवर्क की मदद से इन दोनों को ट्रेस किया और गिरफ्तार कर लाया गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने सोने हार 1 नग, सोने का चैन-1 नग, सोने का लॉकेट-1 नग, नोज पिन-2 नग, कान का टॉप्स-1 नग, सोने का कंगन 1 जोड़ी, सोने की अंगूठी 1 नग, सोने की बाली 1जोड़ी, चांदी की पायल 3 जोड़ी, चांदी का कंगन1 जोड़ी, नगद 700 रुपए., एचएमटी का हाथ घड़ी 1 नग, ब्लूटूथ ईयरबट 1 नग, झालर लाईट 1 नग, सोने का झुमका 1 जोड़ी, सोने का मंगलसूत्र 3 पत्ती वाला, सोने का फुल्ली 2 नग, सोने का अंगूठी 2 नग, चांदी का पायल 3 जोड़ी, नगदी 50 रुपए के 4 बंडल, 20 रुपए के 9 बंडल, 10 रुपए के 3 बंडल जब्त किया गया।

चार थानों में दर्ज हुए थे चोरी के मामले

थाना कोतवाली, थाना परपा , थाना बस्तर, थाना बोधघाट में प्रार्थी के द्वारा मामला दर्ज कराया कि उनके घर में रात्रि में प्रवेश कर घर में रखे सोना चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम को चोरी कर ले गये हैं, मामले के दर्ज होने के बाद मामले कि जांच शुरु किया गया, सभी घटना स्थलों के आस-पास का सीसीटीवी फुटेज लिए गए, आरोपियों द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद घर में लगे सीसीटीवी फुटेज डीव्हीआर को साथ निकाल कर ले जाया गया था और तालाब में फेंक देते थे जिसे बस्तर पुलिस ने तालाब से जप्त किया है, जांच में सभी घटनायें एक ही तरीका वारदात से होना पाया गया।

बिन्दुओं को जोड़ते हुए पुलिस ने यह पाया कि सभी चोरियों को एक ही गिरोह द्वारा अंजाम दिया गया है। जांच एवं पतासाजी में कुछ लोग संदिग्ध पाये गये जिनका मुखबिर लगाकर पता-तलाश किया गया, मुखबिर से सहायता लेकर संदेही आबुल शेख उर्फशेख शमीर उर्फबाबू शेख को आड़ावाल से पकड़ा गया जिनसे बारिकी से पुछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया, तथा सामान भी बरामद कराया गया है।

तालाब में डूबने से युवक की दर्दनाक मौत, दो साल पहले हुई थी शादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

उरगा। उरगा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलकेजा के आश्रित ग्राम आमपाली की है, जहां 24 वर्षीय मनोज प्रजापति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इसकी सूचना पर पहुंची डीडीआरएफ की नगर सेना की टीम ने 9 घंटे की मशक्कत के बाद शव को तालाब से बरामद किया। वहीं इसकी सूचना थाना पुलिस को दी गई, जहां आगे की कार्यवाही की जा रही है।

बताया जा रहा है कि मृतक 24 वर्षीय मनोज प्रजापति रोज की तरह रविवार की सुबह 10 बजे नहाने के लिए गांव से लगे डबरी तालाब में गया हुआ था। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह अपने घर वापस नहीं लौटा, तब परिजन तालाब के पास उसे देखने के लिए तालाब के पचरी पर उसका कपड़ा रखा हुआ था। लेकिन मनोज वहां मौजूद नहीं था। जहां उन्हें डूबने की आशंका हुई और इसकी सूचना गांव के सरपंच और अन्य लोगों को पुलिस भी मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने शव की तलाश के लिए डीडीआरएफ नगर सेना की टीम को बुलाया। जहां रविवार को रेस्क्यू शुरू करने के बाद देर रात तक चला। लेकिन उसका शव नहीं मिल पाया। सोमवार की सुबह जब वह फिर से गांव पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया, तब शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुराहाल था।

बताया जा रहा है कि मृतक गांव में ही गुपचुप का ठेला लगाता था और अपने-अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहा था। मनोज की शादी को महज 2 साल हुए हैं और 9 माह का एक बच्चा भी है। उरगा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि पुलिस परिजनों का बयान दर्ज की है। वहीं आगे की कार्यवाही की जा रही है।

सतत प्रगति पथ पर

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

प्रधान मंत्री आवास योजना-ग्रामीण
Pradhan Mantri Awaas Yojana-Gramin

आवास और सामाजिक सुरक्षा

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

26 लाख
परिवारों को प्रधानमंत्री आवास

40 लाख
से अधिक परिवारों को स्वच्छ पेयजल

राज्य के शत्-प्रतिशत् गांवों का
विद्युतीकरण

खनिज क्षेत्रों में विकास हेतु
डीएमएफ फंड
की सौगात

RO-45320/3

हमसे जुड़ने के लिए QR स्केन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950